सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 08 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 20 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भाजपा ने पूर्व सांसद सुनील सोनी को बनाया प्रत्याशी

कांग्रेस पार्टी में मंथन अभी भी जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के रायपुर दक्षिण विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। रायपुर दक्षिण से पूर्व सांसद सुनील सोनी को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। सुनील सोनी ने अपना नामांकन ले लिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी में अब भी मंथन चल रहा है। कांग्रेस पार्टी से पूर्व महापौर व वर्तमान निगम सभापति प्रमोद दुबे का नाम सबसे आगे है और संभवतः कांग्रेस पार्टी उन्हें अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर सकती है। प्रमोद दुबे के अलावा कांग्रेस से सन्नी अग्रवाल, कन्हैय्या अग्रवाल, व युकां अध्यक्ष आकाश शर्मा के नामों पर भी चर्चा की जा रही है।

बता दें लोकसभा चुनाव में बृजमोहन अग्रवाल की जीत के बाद रायपुर दक्षिण की सीट खाली हुई है। इस सीट पर उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनाव आयोग के अनुसार रायपुर दक्षिण विधानसभा में उप चुनाव 13 नवंबर 2024 को होगा। वहीं 23 नवंबर 2024 को परिणाम घोषित किए जाएंगे। नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर, नामवापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, उपचुनाव की तारीख 13 नवंबर और मतगणना 23 नवंबर को है। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से विधायक बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफा देने के बाद इस सीट पर उपचुनाव होगा। यहां पर 13 नवंबर को उप चुनाव होगा। 23 नवंबर को मतगणना होगी।

जानिए कैसा रहा सुनील सोनी का राजनीतिक सफर

सुनील सोनी ने अपने राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत छात्र नेता के रूप में की थी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़े और दुर्गा कॉलेज रायपुर छात्रसंघ के अध्यक्ष बने। सुनील सोनी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े हैं। 28 नवंबर 1961 में जन्मे सुनील सोनी पहली बार रायपुर निगम के पार्षद बने। इसके बाद साल 2003 से 2010 तक दो बार रायपुर के महापौर रहे। साल 2019 में भाजपा ने सुनील सोनी को रायपुर लोकसभा से टिकट दिया और वे जीत कर पहली बार सांसद बने। अब सुनील सोनी को रायपुर दक्षिण विधानसभा से प्रत्याशी बनाया गया है। सुनील सोनी पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी में प्रत्याशी के लिए मंथन

प्रत्याशी चयन व नाम की घोषणा में भाजपा देरी नहीं करती लेकिन कांग्रेस पार्टी में किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। भाजपा ने रायपुर दक्षिण से प्रत्याशी घोषित कर दिया लेकिन कांग्रेस की ओर से अभी तक प्रत्याशी की घोषणा नहीं की गई है। कांग्रेस पार्टी ने नौ सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया है। इसमें पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, रविन्द्र चौबे, मोहन मरकाम, शिव डहरिया, जयसिंह अग्रवाल, पूर्व पीसीसी चीफधनेंद्र साहू और पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि समिति ने कुछ नाम फाइनल किए हैं और एआईसीसी को भेजा है। इस सीट से प्रमोद दुबे, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा और कन्हैया अग्रवाल 3 सबसे चर्चित नाम हैं। तीनों नेता खुल कर टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं। इन तीनों में प्रमोद दुबे का नाम सबसे आगे है। प्रमोद दुबे 2019 की लोकसभा चुनाव में सुनील सोनी के सामने थे और वे चुनाव हार गए थे। कांग्रेस के लिए यह भी टेंशन देने वाली बात है।

रोहिणी में CRPF स्कूल के पास हुआ जोरदार धमाका

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में रविवार को धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाके की आवाज सीआरपीएफ स्कूल की दीवार से सुनाई दी थी। धमाके के बाद धुएं का गुबार भी दिखाई दिया।

रोहिणी के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया। यह स्पष्ट नहीं है कि धमाका किस प्रकार का था और इसका स्रोत क्या है। डीसीपी ने कहा कि विशेषज्ञ टीम ही स्थिति की विस्तृत जानकारी दे पाएगी। क्राइम ब्रांच स्पेशल सेल स्पेशल स्टाफ सब मौके पर पहुंचे। वहीं, घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड विभाग को सुबह करीब 7:50 बजे दी गई, जिसके बाद तुरंत दो दमकल गाड़ियां भेजी गईं। हालांकि, अभी तक दीवार में आग लगने या क्षति की कोई जानकारी नहीं मिली है। टीम लगातार इलाके में सर्चिंग कर रही हैं।

थानाप्रभारी/पीवी एवं स्टाफ मौके पर पहुंचे, जहां स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त होने के साथ दुर्गंध आ रही थी। पास की दुकान और दुकान के पास खड़ी कार के शीशे क्षतिग्रस्त पाए गए। कोई घायल नहीं हुआ है। मौके पर क्राइम टीम, एफएसएल टीम और बम निरोधक दस्ता पहुंचा। धटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर है। विस्फोट के कारणों पर गौर किया जा रहा है। स्पेशल सेल के सूत्र के मुताबिक मौके पर स्पेशल सेल की टीम भी मौजूद है। आसपास कई सीसीटीवी के फुटेज को खंगालने में जुटी है। र

रोहिणी जिला के डीसीपी समेत अन्य अधिकारियों द्वारा ये शख्त निर्देश दिया गया है कि कोई भी सीसीटीवी का कोई भी क्लिप लीक नहीं होना चाहिए। वहीं, एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं। धमाके की आवाज सुनकर इलाके के लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। एक स्थानीय निवासी ने कहा, सुबह करीब 7.30 बजे थे जब हमने बहुत तेज आवाज सुनी। हमें लगा कि पास में एक एलपीजी सिलेंडर फट गया है। हमने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को मामले की जानकारी दी। कई दुकानों के शीशे टूट गए।

दादी की हत्या के बाद खून से मंदिर को पोता, फिर खुद का गला काटा

जांच में जुटी नंदिनी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में शनिवार रात 35 साल के युवक ने अपनी दादी की बेरहमी से हत्या कर दी। खासबात यह है कि हत्या के बाद युवक ने अपनी दादी के खून से मंदिर को पोता और लिख दिया शिव यही है। इस पूरे कांड के बाद युवक ने खुद का गला काट लिया। घटना की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस तक खबर पहुंची और युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल युवक का इलाज चल रहा है। वहीं हत्या की वजह सामने नहीं आई है।

मिली जानकारी के अनुसार यह हैरान करने वाला मामला नंदिनी थाना क्षेत्र के गांव ननकट्टी का है। शनिवार रात को गुलशन गोस्वामी (35) ने अपनी ही दादी रुखमणि गोस्वामी (70) की बेरहमी से हत्या कर दी। गुलशन ने अपनी दादी के हाथ-पैर कुर्सी से बांध दिया और धारदार हथियार से उसके सिर पर वार कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद गुलशन काफी देर तक खड़ा रहा और जब उसे विश्वास हो गया कि उसकी दादी की मौत हो चुकी है उसके बाद खून को समेटकर शिव मंदिर के गभर्गृह ले गया। शिवलिंग के चारों तरफ दादी के खून से पुताई कर दी।

हत्या के बाद शिवलिंग को पोता, खुद को मारने का किया प्रयास

आरोपी गुलशन गांव में अपनी दादी के साथ ही रहता था। पुलिस जब पहुंची तब गुलशन अचेत अवस्था मिला। बताया जा रहा है कि गुलशन ने मंदिर की पुताई के बाद खुद का गला काटने का प्रयास किया और बेहोश हो गया। पुलिस ने आरोपी गुलशन को अस्पताल पहुंचाया है। हत्या की वजह पुलिस को पता नहीं चल पाया है। आरोपी से पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। बहरहाल मंदिर में जिस प्रकार गुलशन ने खून से पुताई कर शिव यही है लिखा उसे प्रतीत होता है कि वह कोई तंत्र सिद्धि कर रहा था। हालांकि यह केवल अनुमान है और असल सच्चाई आरोपी से पूछताछ के बाद ही सामने आएगी।

भिलाई में अपोलो बीएसआर शुरू करने वाले डॉ खंडूजा गिरफ्तार

करोड़ों की धोखाधड़ी का है मामला

भिलाई (श्रीकंचनपथ)। शहर के पॉश एरिया स्मृति नगर में अपोलो बीएसआर हॉस्पिटल शुरू करने वाले शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ एमके खंडूजा को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में डॉ खंडूजा लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने उन्हें कोलकाता से गिरफ्तार किया है और भिलाई लेकर पहुंच गई है। इस पूरे ऑपरेशन को दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर पूरा किया गया। आरोपी डॉ खंडूजा को जल्द कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

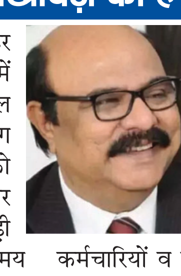

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक डॉ. एमके खंडूजा बीएसआर अपोलो हॉस्पिटल स्मृति नगर के पूर्व संचालक BSRस्कैन सेंटर भिलाई-दुर्ग- नागपुर के डायरेक्टर थे। वो नेहरू नगर पूर्व में रहते थे। डॉ खंडूजा पर बीएसपी के पूर्व कर्मचारियों व शहर के बड़े ग्रूप्स व इंजीनियरिंग कॉलेज संस्थान से करोड़ों रुपए लेकर धोखाधड़ी किए जाने का आरोप है। उन्होंने कई बीएसपी के रिटायर्ड कर्मचारियों व अन्य लोगों ने अपोलो बीएसआर में इनवेस्ट कराया और किसी को इसका शेयर नहीं दिया। यही नहीं बैंकों से भी करोड़ों का कर्ज लिया और पटाया नहीं। अंत में अपोलो बीएसआर को बेचकर करोड़ों की राशि गबन की और फरार हो गया। स्मृति नगर चौकी में डॉ खंडूजा के खिलाफ धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं।

कोलकाता में छिपकर रह रहा था डॉ खंडूजा

धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस को डॉ खंडूजा की लंबे समय से तलाश थी। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि डॉ खंडूजा कोलकाता रह रहा है। इसके बाद एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर एक स्पेशल टीम बनाई गई। उप निरीक्षक वरुण देवता और प्रधान आरक्षक जसपाल सिंह के नेतृत्व में एक टीम को कोलकाता भेजा गया। पुलिस टीम ने कोलकाता में डॉ. खंडूजा को गिरफ्तार किया। पुलिस की टीम डॉ खंडूजा को लेकर भिलाई पहुंच चुकी है। बताया जा रहा है कि डॉ खंडूजा हार्ट पेसेंट हैं और उनकी स्थिति को देखते हुए जल्द से जल्द कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

सेक्टर-9 अस्पताल से शुरु किया था कॅरियर

बता दें डॉ एमके खंडूजा शहर के प्रख्यात शिशुरोग विशेषज्ञ हैं। उन्होंने बीएसपी के सेक्टर-9 अस्पताल में अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने बीएसपी कर्मचारियों के बीच अपनी अच्छी पकड़ बनाई। बीएसपी की नौकरी छोड़कर पावर हाउस भिलाई में एक क्लीनिक शुरू किया। बताया जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने बीएसपी के रिटायर्ड अफसरों व कर्मचारियों को झांसे में लिया और अपोलो बीएसआर अस्पताल में इन्वेस्ट कराया। इसके एवज में 3 से 5 फीसदी ब्याज देने का आश्वासन दिया। इस तरह डॉ खंडूजा ने भिलाई स्केन एंड रिसर्च सेंटर के नाम से भिलाई, रायपुर, नागपुर में अपने ब्रांच शुरू किए। इसके साथ ही स्मृति नगर में अपोला बीएसआर हॉस्पिटल भी खोला। लोगों का और बैंकों का करोड़ो रुपए लेकर और आपोलो बीएसआर को हाईटेक प्रबंधन को बेचकर फरार हो गया।

मरीजों को जगाकर बनाया पार्टी मेम्बर

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

यह कॉलेज के दिनों की बात है. कॉलेज की चाहरदिवारी के बाहर एक पान ठेला था. विद्यार्थियों का लगभग प्रतिदिन दोपहर को वहां मेला लगता था. एक दिन एक व्यक्ति आया. उसने नाम पूछा और एक रुपया मांगा. जिसने दिया उसका नाम तो लिखा ही, जिसने नहीं दिया उसका भी नाम लिख लिया. सबके नाम की पर्ची भी बनाकर दे दी. कुछ ही मिनटों में वहां खड़े 10-12 विद्यार्थी कांग्रेस के सदस्य बन चुके थे. अंतिम वर्ष की पढ़ाई के दौरान विधानसभा चुनाव हुए. हमारे मोहल्ले में सीपीएम का एक नेता रहता था. उन्होंने गेरू की बाल्टी और ब्रश पकड़ाकर दीवारलेखन के लिये भेज दिया. हम कम्युनिस्ट हो गए. वह सस्ते का जमाना था. कार्यकर्ता दीवारों पर गेरू से पार्टी के स्लोगन लिखते थे. प्रत्याशी को जिताने की अपील करते थे. रात को काम खत्म होने के बाद समोसा मिलता था. चुनाव चिन्ह के कागज के बिल्ले होते थे. इसे आलपिन या सेफ्टीपिन की मदद से सीने पर लगाया जाता था. इतने झंडे-डंडे की बारिश तब नहीं होती थी. तब सदस्य बनाने की प्रतियोगिता पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में होती थी. ज्यादा सदस्य बनाने वाले की पार्टी में पूछ बढ़ती थी. अब यह प्रतिस्पर्धा राजनीतिक दलों के बीच होने लगी है. शतायु पार्टी को मात देने की धुन में एक पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी बनने की रेस लगा रही है. ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने वालों की आज भी पार्टी में पूछपरख बढ़ती है. इसलिए युवा कार्यकर्ता जोश में होते हैं. पर इस जोश में वो होश भी खो देते हैं. सदस्यता अभियान में तेजी लाने के लिए ठेका दिये जाने की खबरें भी आती रही हैं. मध्यप्रदेश में तो कमाल ही हो गया. कांग्रेस के कई पदाधिकारी बिना आवेदन दिये ही भाजपा के सदस्य बन गए. भाजपा सदस्य बनने वालों में बड़ी संख्या में ऐसे मीडिया कर्मी भी शामिल हैं जिन्होंने आवेदन नहीं किया था. यहां रिकार्ड संख्या में सदस्य बनाए गए हैं. पर जो गुजरात में हुआ, वैसा पहले कभी कहीं नहीं हुआ. राजकोट के रणछोड़दासजी बापू चैरिटेबल अस्पताल के एक वार्ड में आधी रात को एक युवक पहुंचा. यहां के एक मरीज ने मीडिया को बताया कि वार्ड में 300 से अधिक मरीज भर्ती थे. वो खुद मोतियाबिंद का आपरेशन कराने के लिए भर्ती हुए थे. रात 11 बजे एक युवक आया और मरीजों को जगा जगाकर उनका मोबाइल नम्बर मांगने लगा. थोड़ी देर बाद मोबाइल पर मैसेज आया कि वे भाजपा के सदस्य बन गए हैं. वैसे पार्टी कहती है कि सदस्यता के लिए पहले मोबाइल पर ओटीपी आता है जिससे नम्बर की पुष्टि की जाती है. इसके बाद ही सदस्यता दी जाती है. एक एनएसयूआई नेता ने बताया कि वह दोनों बड़ी पार्टियों का सदस्य है. उसके पास चार नम्बर हैं. दो नम्बरों से बैंक के खाते और दो अलग नम्बरों से नेतागिरी चलती है. है न कमाल का अभियान?

संपादकीय

छत्तीसगढ़ में उपचुनाव मतलब एक और परीक्षा

किसी राज्य में चुनाव व उपचुनाव मतलब होता है राज्य के नेताओं के लिए फिर एक ऐसी परीक्षा जिसमें सफल होना जरूरी है।नेता चाहे सत्तारूढ़ दल का हो या विपक्ष का है। दोनों के लिए जरूरी होता है कि वह अपनी पार्टी को जिता कर दिखाएं। जो जिता देता है, वह होता है बड़ा नेता,उसका कद राज्य में और ऊंचा हो जाता है। नेता जितने चुनाव व उपचुनाव जिताता है, उसका कद उतना ही बढ़ता है और जो नेता जितना चुनाव व उपचुनाव पार्टी को नहीं जिता पाता है उसका कद उतना ही कम होता जाता है।

> *राज्य में भूपेश बघेल सहित कई कांग्रेस नेता जो विधानसभा में कांग्रेस को जिता नहीं पाए, उसके बाद लोकसभा में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए यानी पार्टी जितनी सफलता चाहती थी, उतनी सफलता पार्टी को दिला नहीं पाए। उनका कद पहले की तुलना में कम हुआ है क्योंकि वह न तो विधानसभा चुनाव जिता पाए और न ही लोकसभा चुनाव जिता पाए।ऐसे में उनके सामने रायपुर दक्षिण की सीट को जीतना एक और बड़ी चुनौती है।*

यह सीट बृजमोहन अग्रवाल के सांसद पर खाली हुई है। यह विधानसभा क्षेत्र भाजपा सबसे मजबूत किला माना जाता है, यहां से बृजमोहन अग्रवाल जीतते रहे हैं।यहां बृजमोहन अग्रवाल के सामने कांग्रेस ने जिसे भी खड़ा किया वह हारा है।पिछले चार चुनाव की बात करें तो 2008 में योगेश तिवारी,2013 में किरणमयी नायक,2018 में कन्हैया अग्रवाल व 2023 में महंत रामसुंदरदास को कांग्रेस ने बृजमोहन को हराने के लिए उतारा था, लेकिन चारो हार गए। माना जाता है कि जो बृजमोहन अग्रवाल के सामने चुनाव लड़ता है व हारता तो जरूर है और उसका राजनीतिक भविष्य भी समाप्त हो जाता है। इसलिए बृजमोहन के खिलाफ चुनाव लड़ने से बड़े नेता तक कतराते हैं।

माना जाता है कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल से पिछले लोकसभा चुनाव में कहा गया था कि वह रायपुर दक्षिण से चुनाव लड़े और बृजमोहन अग्रवाल को हराकर एक और सीट कांग्रेस के लिए जीतें लेकिन भूपेश बघेल ने रायपुर दक्षिण से चुनाव लड़ने से साफमना कर दिया और राजनांदगांव से चुनाव लड़े और वहां भी नहीं जीत पाए।कहा जाता है जब अच्छे दिन रहते हैं तो हर चुनाव में जीत मिलती है,भूपेश बघेल के अच्छे दिन थे तो विधानसभा चुनाव जीतने के बाद राज्य में जितने उपचुनाव हुए थे, जितने नगर निकाय,पंचायत हुए थे, सब कांग्रेस ने जीते थे।तब राज्य में कांग्रेस का कोई मुकाबला नहीं था। आज हाल यह है कि भूपेश बघेल जीत का दावा कर विधानसभा चुनाव में पार्टी को नहीं जिता पाए, उसके बाद लोकसभा चुनाव में कुछ खास नही कर पाए।

अभी तो दिल्ली दरबार ने जय-वीरु को महाराष्ट्र में कांग्रेस को चुनाव जिताने की जिम्मेदारी सौंपी है। चर्चा है कि जय वीरू के अलावा दो और राज्य के पूर्व सीएम व डिप्टी सीएम को भी महाराष्ट्र का चुनाव जिताने के लिए लगाया गया है।यह जय-वीरू की एक और बड़ी परीक्षा है।इसमें पास हुए तो अच्छा दोनों को कद दिल्ली दरबार मे थोड़ा ऊंचा हो जाएगा। हमेशा की तरह नहीं जिता पाए तो राजनीतिक महत्व और कम हो जाएगा।वैसे तो माना जाता है कि भूपेश बघेल को जहां भी चुनाव जिताने के लिए भेजा जाता है तो वहां कांग्रेस हार जाती है।असम और यूपी इसका उदाहरण है।जय-वीरू को दिल्ली से बड़ी जिम्मेदारी मिली तो चरणदास महंत को कैसे भुला दिया जाता,उनको ओडिशा में कांग्रेस के संगठन का काम देखने की जिम्मेदारी दी गई है। संदेश दिया गया है कि महंत भी कांग्रेस के बड़े नेता है, उनका कद भी दिल्ली में कम नहीं है।कांग्रेस में पद से कद नापा जाता है, इसलिए ज्यादातर नेता पद पाने के जुगाड़ में रहते हैं जिसे मिल जाता है, वह बड़ा नेता हो जाता है, भले ही वह अपने राज्य में चुनाव या उपचुनाव न जिता सके।

नजरिया

विदेश में बैठे भारत विरोधी तत्वों पर गौर करे अमेरिका

सिख फॉर जस्टिस का संस्थापक और भारत द्वारा घोषित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई द्वारा भारत के पूर्व खुफिया अधिकारी विकास यादव को आरोपित करने का ताजा घटनाक्रम क्या भारत को कूटनीतिक तौर पर घेरने की कोशिश है?

नई दिल्ली ने उचित ही इसमें अपनी संलिप्तता से इनकार किया है, क्योंकि किसी दूसरे देश के आंतरिक मामले में दखल देने की हमारी कोई नीति नहीं रही है। हम यही मानते हैं कि अमेरिकी अदालत इस मामले में उचित फैसला करेगी। मगर सवाल इसलिए उठने लगे हैं, क्योंकि इसी पन्नू के केस में पिछले दिनों हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के खिलाफ एक अमेरिकी अदालत ने समन जारी किया था। उसने अपनी हत्या की साजिश को लेकर न्यूयॉर्क की अदालत में याचिका लगाई थी, जिसके बाद अदालत ने डोभाल सहित कई लोगों को समन जारी किया था। बाद में, भारत की एक उच्चस्तरीय टीम अमेरिका गई थी, जिसने निश्चय ही वहां के अधिकारियों से बात की होगी। इस बैठक के नतीजे तो सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, लेकिन असलियत यही है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं को समझ रहे होंगे। अच्छी बात यह है कि भारत और अमेरिका की सरकारें एक-दूसरे के संपर्क में हैं और वे यह नहीं चाहतीं कि आपसी रिश्ते पर ऐसी किसी घटना का असर पड़े।

बहरहाल, इस मामले ने करीब एक दशक पुराने देवयानी खोबरागड़े विवाद की याद ताजा कर दी है।

देवयानी तब न्यूयॉर्क में भारतीय उप-महावाणिज्य दूत थीं। उन पर अपनी घरेलू सहायिका के वीजा आवेदन में गलत तथ्य देने के आरोप लगाए गए थे। भारत ने इस पर सख्त ऐतराज जताया था। कहा तो यह भी जाता है कि तब भारत के कड़े रुख को देखकर अमेरिकी अधिकारी हैरान थे। बाद में अपनी खामियों पर गौर करने के लिए अमेरिकी सुरक्षा मंत्रालय, विदेश और न्याय विभाग आदि ने समीक्षा बैठकें की थीं। भारत वास्तव में कार्रवाई करने के अमेरिकी तरीके को लेकर नाराज था और अमेरिका भी द्विपक्षीय रिश्ते में किसी तरह का तनाव नहीं चाहता था। नतीजतन, देवयानी वापस भारत बुला ली गईं। आज भी दोनों देश शायद ही आपसी रिश्ते में किसी तरह की तनातनी के पक्ष में होंगे।

पन्नू की हरकत किसी से छिपी नहीं है। उसके पास भले ही अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है, लेकिन वह भारत में एक वांछित अपराधी है। वह खालिस्तानी भावना भड़काकर भारत-विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है। अमेरिका इन सबसे अनजान नहीं होगा, लेकिन चूंकि उसकी जमीन पर इसने कोई अपराध नहीं किया है, इसलिए पन्नू अब भी वहां सलाखों से बाहर है। देखा जाए, तो भारत के खिलाफ अलगाववादी सोच रखने वाले ऐसे अपराधी इसी अमेरिकी नीति का फायदा उठाते हैं। वे भारत की बढ़ती साख को पसंद नहीं करते। मगर हमें उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करेंगे। अभी कनाडा ने भी अपने यहां एक खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के हत्या में कथित तौर पर भारत की संलिप्तता का दावा किया है, जिस कारण उसके साथ हमारे रिश्तों में खटास आई है। पन्नू ने भी इस मौत का बदला लने की धमकी दे रखी है। अमेरिका इन सबसे वाकिफ होगा और वह जरूर प्रयास करेगा कि ऐसे मसलों का जल्द निपटारा हो जाए।

वैसे, आदर्श व्यवस्था यही है कि कोई देश किसी भी रूप में आतंकी या असामाजिक तत्वों को अपने यहां जगह न दे। इसके लिए प्रत्यर्पण संधि का इस्तेमाल किया जाता है। भारत ने कई देशों के साथ ऐसे समझौते कर रखे हैं। मगर इस संधि के तहत अपराधी को स्वदेश लाना काफी कठिन प्रक्रिया होती है। इसमें पहले पूरे सुबूत के साथ संबंधित देश के पास आवेदन भेजना होता है, जिसे स्वीकारने या खारिज करने को लेकर वह स्वतंत्र होता है। मगर पन्नू मामले में हमारी मुश्किल यह है कि वह भारत का नहीं, बल्कि अमेरिका और कनाडा का नागरिक है। लिहाजा यह मामला पूरी संवेदनशीलता की मांग करता है। हम तो उम्मीद यही करेंगे कि अमेरिका हमारी सुरक्षा चिंताओं पर गौर करेगा और इस मामले का उचित निपटारा करेगा। ऐसे किसी मामले में भारत की छवि पर दाग लगने के आरोप भी सही नहीं हैं। यह विशुद्ध रूप से एक कानूनी मसला है और अमेरिकी कानून अपने हिसाब से इसका समाधान निकालेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कांग्रेस के सामने आत्म-मंथन के गहरे प्रश्न

ताजा चुनाव नतीजों से कांग्रेस के सामने आत्म-मंथन के गहरे प्रश्न आए हैं। जातीय पहचान की जिस राजनीति को उसके नेतृत्व ने अपनाया है, क्या उससे असल में नुकसान हो रहा है? फिलहाल, यह रास्ता उसे किसी मंजिल तक ले जाता नहीं नजर आता है।

जातीय और मजहबी पहचान की राजनीति में भाजपा का कोई तोड़ नहीं है, हरियाणा विधानसभा के चुनाव नतीजों ने यह बात फिर साबित की है। वैसे देखा जाए, तो इस नजरिए जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम को भी काफी हद तक समझा जा सकता है। हरियाणा में भाजपा ने ओबीसी और उन जातियों को गोलबंद करने पर ध्यान दिया, जिनका जाट समुदाय से अंतर्विरोध रहता है। कांग्रेस का सारा नैरेटिव चूंकि किसान, पहलवान और जवान पर केंद्रित रहा- जिसका सीधा संबंध जाट समुदाय से बनता है- तो भाजपा के लिए अन्य जातियों को गोलबंद करना और आसान हो गया। इसके अलावा दलितों के वर्गीकरण संबंधी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी उसने राज्य की परिस्थितियों के मुताबिक प्रभावी इस्तेमाल किया। हिंदुत्व के एजेंडे पर बने उसके वोट बैंक में लोकसभा चुनाव में भी सेंध नहीं लगी थी। उस चुनाव में उसे 46 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 44 प्रतिशत। सीटें दोनों में 5-5 जरूर जीती थीं। इन ठोस हालात के बीच कांग्रेस नेताओं ने अपनी जीत को कैसे आसान मान लिया, यह आश्चर्यजनक है। चुनाव नतीजे आने के साथ यह गलतफहमी मुंह के बल गिरी है। उधर जम्मू-कश्मीर में चुनाव परिणाम इलाकाई विभाजन को गहरा बनाते दिख रहे हैं। कश्मीर घाटी में एकतरफा नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस-सीपीएम गठबंधन के पक्ष में जनमत जाहिर हुआ। जबकि जम्मू क्षेत्र में उलटी कहानी रही। कांग्रेस यहां भाजपा के हिंदुत्व वोट बैंक में ज्यादा सेंध नहीं लगा पाई।

तो इस राज्य में भी संकेत हैं कि मजहबी और इलाकाई पहचान निर्णायक साबित हुए। गठबंधन के घटक के तौर पर इन नतीजों पर कांग्रेस भले संतोष कर ले, लेकिन पार्टी के रूप में उसके लिए यहां भी नतीजे निराशाजनक हैं। इन दोनों नतीजों से कांग्रेस के आत्म-मंथन के गहरे प्रश्न सामने आए हैं। उसे विचार करना है कि जातीय पहचान की जिस राजनीति को उसके नेतृत्व ने अपनाया है, क्या उससे असल में नुकसान हो रहा है? अगर इसके जरिए रोजी-रोटी के सवालों से मुंह मोड़ कर वैकल्पिक नीति पेश करने की जिम्मेदारी से बचने का रास्ता उसने सोचा है, तो यह तरीका हानिकारक साबित हो रहा है।

(आरएनएस)

आज के दौर में अपेक्षित प्रतिक्रियाएं

रिपोर्ट शैक्षिक स्वतंत्रता के बारे में है, इसलिए संभवतः इसकी भारत में ज्यादा चर्चा नहीं होगी। रिपोर्ट चर्चित हो, तो सरकार उसे ठुकरा देगी। सत्ता पक्ष का जवाब आएगा कि यह पूर्वाग्रह से ग्रस्त रिपोर्ट है। ये सब आज के दौर में अपेक्षित प्रतिक्रियाएं हैं। जिन समाजों में आविष्कार होते हैं और जिनकी निगाह भविष्य पर टिकी होती है, वहां दिमागी आजादी पर सीमाएं लगाने की कोशिश सामान्यतः नहीं होती।

बल्कि यह मान्यता प्रचलित है कि दिमागी नियंत्रण से बेहतर है, दिमागी नटखटपन को सहना। जबकि एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि पिछले दस साल में भारत में शैक्षिक स्वतंत्रताएं बहुत सिमट गई हैं। स्कॉलर्स ऐट रिस्क (एसएआर) नाम की अंतरराष्ट्रीय संस्था ने अपना ताजा शैक्षिक स्वतंत्रता सूचकांक जारी किया है। एसएआर 665 विश्वविद्यालयों का नेटवर्क है, जिसने विभिन्न देशों में शैक्षिक स्वतंत्रता की स्थिति मापने का एक पैमाना विकसित किया है।

ताजा रिपोर्ट 'फ्री टू थिंक- 2024' शीर्षक से जारी की गई है। इसमें बताया गया है कि एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 के बीच 51 देशों में उच्चतर शिक्षा से जुड़े समुदायों की आजादी पर 391 प्रहार किए गए। इन देशों में भारत का खास उल्लेख है। 2013 में एसएआर के सूचकांक पर भारत को 0.6 अंक प्राप्त हुए थे। 2024 में इस पर भारत को सिर्फ 0.2 अंक मिले हैं। इस तरह भारत को एसएआर ने 'पूर्णतः नियंत्रित' देशों की श्रेणी में डाल दिया है। इस संस्था ने एक ऐतिहासिक डेटाबेस भी तैयार किया है। उसकी रोशनी में इसने कहा है कि भारत में आज शैक्षिक स्वतंत्रता की स्थिति 1940 के दशक के मध्य के बाद से सबसे निचले स्तर पर है।

रिपोर्ट में भारत पर शैक्षिक स्वंत्रता पर प्रहार की कई मिसालों का जिक्र है। कहा गया है- 'भारत में छात्रों और विद्वानों की शैक्षिक स्वतंत्रता के सामने जो सबसे बड़े खतरे दरपेश हैं, उनमें विश्वविद्यालयों, विश्वविद्यालयों की राजनीति, एवं छात्र प्रतिरोध को नियंत्रित करने और हिंदुत्व का एजेंडा थोपने के भारतीय जनता पार्टी के प्रयास भी शामिल हैं।' चूंकि यह रिपोर्ट शैक्षिक स्वतंत्रता के बारे में है, इसलिए संभवतः इसकी भारत में ज्यादा चर्चा नहीं होगी। रिपोर्ट चर्चित हो, तो सरकार उसे ठुकरा देगी। सत्ता पक्ष का जवाब आएगा कि यह पूर्वाग्रह से ग्रस्त रिपोर्ट है। ये सब आज के दौर में अपेक्षित प्रतिक्रियाएं हैं। मगर उनसे इस रिपोर्ट से उठे मूलभूत प्रश्नों के उत्तर नहीं मिलेंगे।

(आरएनएस)

अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते स्टार्टअप

सतीश सिंह

आज स्टार्टअप भारत की आर्थिक तस्वीर को बेहतर बनाने की दिशा में अग्रसर है। इसकी वजह से जीडीपी में बढ़ोतरी हो रही है। यह आर्थिक विकास का कारक भी है और वाहक भी। लिहाजा, इस दिशा में देसी और प्रवासी उद्यमियों को विदेश की जगह देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप कंपनी शुरू करने की जरूरत है, ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था को और भी सशक्त बनाया जा सके। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग में पंजीकृत स्टार्टअप ने इस वर्ष 30 जून तक प्रत्यक्ष रूप से 15.53 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराया है। अप्रत्यक्ष रूप से भी मुहैया कराये गये रोजगारों की संख्या लाखों में है। सिर्फ यूनिकॉर्न स्टार्टअप कंपनियों ने पिछले साल अगस्त तक 4.5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया था। स्टार्टअप कंपनियां अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी योगदान दे रही हैं। हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न सूचकांक 2024 के अनुसार, 2017 के बाद पहली बार भारत में यूनिकॉर्न की संख्या कम हुई है। बायजूज के इस सूची से बाहर आने के कारण 2023 में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या 68 से घटकर 67 रह गयी। दूसरे देशों में भी यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या कम हुई है। अमेरिका में 21 और चीन में 11 यूनिकॉर्न स्टार्टअप कम हुए हैं और 2023 में कुल 42 स्टार्टअप यूनिकॉर्न की पात्रता खो चुके हैं। इस कमी का मुख्य कारण स्टार्टअप के निवेश में कमी आना है। सभी स्टार्टअप के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती पूंजी यानी निवेश की ही है। यह दिलचस्प है कि भले ही यूनिकॉर्न की संख्या देश में कम है, पर विदेशों में भारतीयों ने 109 यूनिकॉर्न शुरू किये हैं।

एक अरब डॉलर या इससे ज्यादा के मूल्यांकन वाले स्टार्टअप को यूनिकॉर्न कहा जाता है। अमेरिका में सबसे अधिक 703 यूनिकॉर्न हैं, चीन 240 यूनिकॉर्न के साथ दूसरे स्थान पर है और भारत 67 यूनिकॉर्न के साथ तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड 53 यूनिकॉर्न के साथ चौथे तथा 36 यूनिकॉर्न के साथ जर्मनी पांचवें स्थान पर है। हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न सूचकांक में उन गैर सूचीबद्ध यूनिकॉर्न को शामिल किया जाता है, जिनकी स्थापना 2000 के दशक के बाद हुई है। इस सूची में टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस है, जिसका मूल्यांकन 220 अरब डॉलर है। दूसरे स्थान पर एलन मस्क की स्पेसएक्स है, जिसका मूल्यांकन 180 अरब डॉलर है, जबकि तीसरे स्थान पर माइक्रोसॉफ्ट की यूनिकॉर्न ओपेन एआई है, जिसका मूल्यांकन 100 अरब डॉलर है। फूड डिलीवरी यूनिकॉर्न स्विगी और स्पोर्ट्स कंपनी ड्रीम-11 भारत में सबसे ज्यादा मूल्यांकन वाली कंपनियां हैं। देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, 'मेक इन इंडिया' की संकल्पना को साकार करने और रोजगार सृजन में तेजी लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 जनवरी 2016 को 'स्टार्ट अप इंडिया' का आगाज किया था। किसी कंपनी का कोई नवोन्मेष उत्पाद या सेवा किसी ग्राहक की समस्या का समाधान उसके घर में ही कर दे, तो उसे स्टार्टअप कहते हैं। इसकी शुरुआत कोई एक व्यक्ति कर सकता या फिर कई लोग मिलकर।

ऋण संस्थान बिना तीसरे पक्ष की गारंटी के स्टार्टअप को पांच करोड़ रुपये तक का ऋण दे सकते हैं। अगर कोई स्टार्टअप इस योजना के तहत 1.5 करोड़ का ऋण लेना चाहता है, तो 75 प्रतिशत वित्तीय सहायता संस्थान देता है और शेष 25 प्रतिशत का इंतजाम उद्यमी को खुद करना होता है। पांच लाख रुपये से कम का ऋण मांगने वाले उद्यमियों को 85 प्रतिशत तक ऋण वित्तीय संस्थान देता है और 15 प्रतिशत की व्यवस्था उद्यमी को करनी होती है। किसी भी उद्यम की सफलता के लिए कौशलयुक्त कामगारों की जरूरत होती है। सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना शुरू की है, जो कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा संचालित है। इसका उद्देश्य युवाओं को उनके पसंद के उद्यम में काम करने के योग्य बनाना है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम का कार्य अकुशल कार्यबल को प्रशिक्षित कर कुशल बनाना है। आज स्टार्टअप भारत की आर्थिक तस्वीर को बेहतर बनाने की दिशा में अग्रसर है। इसकी वजह से जीडीपी में बढ़ोतरी हो रही है। यह आर्थिक विकास का कारक भी है और वाहक भी। लिहाजा, इस दिशा में देसी और प्रवासी उद्यमियों को विदेश की जगह देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप कंपनी शुरू करने की जरूरत है, ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था को और भी अधिक सशक्त बनाया जा सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षीय यात्रा पर एक नजर

2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा। डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। यद्यपि अन्य बहुत कुछ भी शीर्ष नेतृत्व के मन में था। दत्तोपंत ठेंगड़ी इसे 'प्रोगेसिव अनफोल्डमेंट' कहते थे। इसके बल पर ही संघ ने हर संकट को झेला।

इस पहले दौर में स्वयंसेवकों ने कई संस्थाएं बनायीं। इनमें राष्ट्र सेविका समिति (1936), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1949), वनवासी कल्याण आश्रम (1952), भारतीय मजदूर संघ (1955), विश्व हिन्दू परिषद (1964), भारतीय जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी (1951), सरस्वती शिशु मंदिर/विद्या भारती (1952) आदि प्रमुख हैं। यद्यपि इनके संविधान, कोष, पदाधिकारी, कार्यक्रम आदि अलग हैंय पर प्रेरणा संघ की ही है।

पर फिर शाखा के साथ ही समविचारी संगठनों का विस्तार और प्रभाव बढ़ने लगा। इसीलिए जब 1975 में इंदिरा गांधी ने संघ पर प्रतिबंध लगाया, तो जनता संघ के साथ रही। संघ ने फिर सत्याग्रह किया। जनता डर से चुप थी, पर चुनाव में उसका आक्रोश फूट पड़ा और इंदिरा गांधी हार गयी। यह संगठन के बल पर ही हुआ। समाज में बढ़ती स्वीकार्यता का लाभ उठाकर संघ ने संगठन को फैलाया तथा स्वयंसेवकों ने अनेक नयी संस्थाएं बनायीं।

1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सरकार ने फिर प्रतिबंध लगाया, जिसे न्यायालय ने ही खारिज कर दिया। 1975 और 1992 के प्रतिबंध से संघ के संगठन और प्रभाव में वृद्धि हुई। उसका नाम दुनिया भर में फैल गया।

1977 के बादः इसे हम दूसरा 50 वर्षीय कालखंड कह सकते हैं। संघ ने अनुभव किया कि हमारा काम समाज के निर्धन वर्ग में नहीं है। इनकी पहली जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान है। इस कारण लोग धर्मांतरण भी कर लेते हैं। मीनाक्षीपुरम् कांड इसका उदाहरण था। अतः सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया गया। 1989 में डा. हेडगेवार की जन्मशती पर 'सेवा निधि' एकत्र कर हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनाये गये। निर्धन बस्तियों को 'सेवा बस्ती' कहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हजारों छोटे प्रकल्प शुरू किये। अब इनकी संख्या डेढ़ लाख से भी अधिक है। अब सैकड़ों बड़े प्रकल्प भी हैं, पर मुख्य ध्यान छोटी इकाइयों पर ही है। केवल संघ ही नहीं, तो सभी समविचारी संस्थाएं सेवा कार्य कर रही हैं। यहां से पुरुष और महिला कार्यकर्ता भी आगे आ रहे हैं।

कुछ चुनौतियांः 1947 में देश विभाजन एक बड़ी चुनौती थी। इस दौरान पंजाब और सिंध में संघ ने सीमित शक्ति के बावजूद लाखों हिन्दुओं की रक्षा की, महिलाओं की लाज बचाई और उनका पुनर्स्थापन किया। बंगाल में शक्ति कम होने से यह प्रभावी ढंग से नहीं हो सका।

1950 में प्रतिबंध हटने पर कुछ लोगों का विचार था कि निर्दोष होते हुए भी संसद या किसी विधानसभा में कोई हमारे पक्ष में नहीं बोला। अतः हमें शाखा छोड़कर केवल राजनीति करनी चाहिएय पर सरसंघचालक श्री गुरुजी नहीं माने। उन्होंने कहा कि राजनीति जरूरी होते हुए भी सब कुछ नहीं है। इससे कई बड़े लोग नाराज हो गये। यद्यपि संघ ने फिर राजनीति में भी कई लोगों को भेजा, पार्टी भी बनायी, पर राजनेताओं और दलों का जो हाल है, उससे श्री गुरुजी की बात प्रमाणित हो रही है।

संगठन होने के कारण संघ तथा संघ प्रेरित संस्थाएं लगातार नयी टीम बनाकर पुरानों के संरक्षण में उन्हें पदस्थापित करते रहते हैं, पर 1968 में भारतीय जनसंघ को एक झटका लगा। दीनदयाल जी का निधन हो चुका था। जनसंघ वाले अटल बिहारी वाजपेयी को आगे लाना चाहते थे। इससे रुष्ट होकर बलराज मधोक ने पार्टी छोड़ दी, पर जल्दी ही वे समझ गये कि कुछ लोग कुछ समय के लिए कोई संस्था तो चला सकते हैं, पर संगठन नहीं। अतः वे शांत होकर फिर संघ के कार्यक्रमों में आने लगे। यद्यपि उनके अलगाव से श्री गुरुजी सहित सब स्वयंसेवकों को दुख हुआ, पर संघ में व्यक्ति नहीं, संगठन महत्वपूर्ण है।

ऐसी ही एक चुनौती 2018 में विश्व हिन्दू परिषद में आयी। एक प्रभावी नेता ने अपनी नयी संस्था बना ली। यहां भी टकराव व्यक्ति और संगठन में ही था। आशा है वे भी शीघ्र ही मुख्य धारा में लौट आएंगे।

अब आगे की ओरः कभी 'संगठन के लिए संगठन' की बात कही जाती थी, पर 50 साल संगठन और 50 साल विस्तार के बाद अब संघ समाज परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। जहां संघ का काम पुराना है, वहां परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, सामाजिक समरसता, एक मंदिर, एक शमशान, एक जलस्रोत, नागरिक कानूनों के पालन आदि का आग्रह किया जा रहा है। संघ के प्रयास से इस दिशा में भी निःसंदेह सुधार होगा। समाज में हजारों संस्थाएं और लोग अच्छे काम कर रहे हैं। संघ उन्हें भी साथ लेकर सम्मान और श्रेय देता है। संस्थागत अभिनिवेश से मुक्ति संघ की एक बड़ी विशेषता है।

यद्यपि जब से भाजपा की सरकारें केन्द्र और राज्यों में बन रही हैं, तब से संघ में बहुत भीड़ भी आने लगी है। नये लोगों का आना सुखद है, पर जो स्वार्थवश आ रहे हैं, उनसे सावधान रहना होगा। 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' से लेकर 'परम वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रम' की इस अविराम यात्रा में बहुत काम बाकी है। निरूसंदेह अगले कुछ वर्ष में करोड़ों स्वर 'भारत माता की जय' बोलेंगे और विश्वगुरु भारत का सपना साकार होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

रमन आई. टी. आई.
Affiliated By N.C.V.T. & D.G.T.
बाबा दीप सिंह नगर, वैशाली नगर, भिलाई
कोपा
कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट
पाठ्यक्रम अवधि - 1 वर्ष
TALLY & GST FREE
स्टेनो हिन्दी
पाठ्यक्रम अवधि - 1 वर्ष
TALLY & GST FREE
100% JOB ORIENTED

ADMISSION OPEN
7773027492, 7389471941
शासन द्वारा छात्रवृत्ति

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

जिला स्तरीय नार्को समन्वयन समिति में वीसी के माध्यम से शामिल हुए प्रभारी सचिव

दुर्ग। जिला कार्यालय दुर्ग के एनआईसी में एनसीओआरडी की जिला स्तर पर गठित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रभारी सचिव सुब्रत साहू ऑनलाईन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मिलित हुए। जिला स्तर पर प्रत्येक माह नार्को समन्वयन की बैठक आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग और तस्करी की रोकथाम हेतु जिलों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करना है। प्रभारी सचिव श्री साहू ने शासन के निर्देशानुसार मादक पदार्थों के दुरुपयोग, जागरूकता कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और तस्करी पर लगाम लगाने के लिए जिलों द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मादक पदार्थो के अवैध व्यापार पर सतत निगरानी रखने, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हांकित स्थलों पर नशा मुक्ति के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा नशीली दवाओं के उत्पादन/विक्रय/रखरखाव की सूचना प्राप्त होने पर अनियमितता पायी जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जाए। प्रभारी सचिव श्री साहू ने जिले में नियमित रूप से नशा मुक्ति कार्यकम आयोजित करने, आयोजन का प्रचार प्रसार करने, मादक पदार्थो के उपयोग से हाने वाली हानि के संबंध में आम जनता/युवा वर्ग/छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के निर्देश दिए।

तीन दिवसीय उन्नयन प्रशिक्षण

दुर्ग। मछली पालन विभाग द्वारा शिक्षण प्रशिक्षण योजना अंतर्गत 03 दिवसीय मछुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम विकासखण्ड दुर्ग एवं धमधा प्रभारियों द्वारा 200 पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों के प्रशिक्षण सह भ्रमण कराया गया। जिसमें विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा यादव, उपाध्यक्ष अशोक साहू, कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष योगिता एवं जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी साहू उपस्थित थी।

वेल्डिंग श्रमिकों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय वेल्डिंग प्रतिस्पर्धा सम्पन्न

भिलाई। दि इन्डियन इंस्टिट्यूट ऑफवेल्डिंग-भिलाई ब्रांच एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के संयुक्त तत्वावधान में 18 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय वेल्डिंग प्रतियोगिता के प्रथम चरण का शुभारम्भ मुख्य महाप्रबंधक पी के सिंग के मुख्य आतिथ्य एवं मानद सचिव सुनील कुमार बंसल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। संविदा श्रमिक वेल्डरों में सुरक्षित एवं उत्कृष्ट कौशल विकास को बढावा देने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 18 संविदा कम्पनी के 50 से भी अधिक वेल्डरों ने उत्साह से भाग लिया। प्रथम स्तर की प्रतिस्पर्धा का आयोजन दो श्रेणियों आर्क वेल्डिंग एवं गैस वेल्डिंग में किया गया। कार्य के प्रत्येक स्तर के उचित मानकों का अनुपालन करते हुए वेल्डरों ने अपने-अपने कार्य को उत्कृष्टता के साथ संपन्न करते हुए अपनी सहभागिता दर्ज की। सदस्यीय विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा, जिसमें पूर्व विभागाध्यक्ष एस.सी टुटेजा, विभागाध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल एवं महाप्रबंधक एम हुसैन शामिल हैं। दोनों श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नवम्बर' 2024 में चेन्नई में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने की पात्रता हासिल होगी। प्रथम पुरुस्कार विजेता कार्मिक परमेश्वर लाटिया द्वारा सभी प्रतिभागियों को वेल्डिंग से सम्बंधित उचित मार्गदर्शन भी दिया गया।

राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस जम्बूरी का उद्घाटन 33 जिलों के 900 से ज्यादा स्टूडेंट्स हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण सह सदभावना शिविर का आज भारती यूनिवर्सिटी पुलगांव में संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर की मुख्य आतिथ्य एवं पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस जम्बूरी-2024 का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी सीईओ एमके राउत, चेयरमेन अशोक कुमार अग्रवाल, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर एवं अध्यक्ष ऋचा प्रकाश चौधरी ने दीप प्रजज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस शिविर में छत्तीसगढ़ के 33 जिलों से 409 बालक व 498 बालिकाएं इस प्रकार कुल 907 प्रतिभागी, 109 प्रभारी शिक्षकों के साथ सम्मिलित हुए हैं। इस 05 दिवसीय शिविर में रेडक्रॉस के उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है।

जिसमें प्रतिदिन प्रात: योग व व्यायाम के साथ दिनचर्या प्रारंभ करते हुए साहित्यिक, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के साथ-साथ विद्यार्थियों में मूल्यों के विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है। शिविर में एडवेंचर्स एवं फन गेम का एक ऐसा एरिना तैयार किया गया है जहाँ बच्चे अपने साहसिक क्षमता का विकास एवं प्रदर्शन कर सकेंगे। इसके साथ ही प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जा रहा है जहाँ बच्चे न केवल अपनी सांस्कृतिक कला का प्रदर्शन करेंगे अपितु विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक कला विविधताओं से परिचित हो सकेंगे। विभिन्न जिलों से आए हुए विद्यार्थियों के लिए एक्सपोजर विजिट का भी प्रावधान किया गया है जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र, आई.आई.टी. जैसे राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं का भ्रमण कराया जायेगा।

दूसरों की सेवा, सहयोग करने के लिए रेडक्रॉस संकल्पित- संभागायुक्त

संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने जूनियर रेडक्रॉस मीट 2024 को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली बार यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस शिविर में भाग लेने सभी विद्यार्थी रेडक्रॉस के उद्देश्यों को समझते हुए मानव सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। दूसरों की सेवा, सहयोग करने के लिए रेडक्रॉस संकल्पित है। सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। रेडक्रॉस सोसायटी स्वार्थ से परे रहकर दिन-रात दूसरों की भलाई में जुटे रहने वाला है। समाज की सेवा के लिए संकल्पित होकर काम करें, जो भारत देश को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान करेगा।

सबसे बड़ा काम रक्त दान : सीईओ राउत

रेडक्रॉस सोसायटी के सीईओ एमके राउत ने कहा कि राज्य के प्रत्येक शालाओं तक रेडक्रॉस की मानवसेवी गतिविधियों एवं प्रशिक्षण को पहुंचने हेतु 18 से 22 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस मीट का आयोजिन किया गया है। इस जम्बूरी में 800 से भी अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए है। जूनियर रेडक्रॉस सेवा में स्कूली बच्चों को जोड़ा गया है, क्योकि आज का बच्चा कल का नागरिक है। हमारा कर्तव्य समाज एवं जनमानस के कार्यो के लिए है। रेडक्रॉस ब्लड बैंक रक्त दान से जुड़ा हुआ है। सबसे बड़ा काम रक्त दान करना है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में भाग लेने प्रेरित किया और कहा कि जब आप यहां से जाए तो हाथ में ट्रॉफी लेकर जाएं। जब कभी भी जम्बूरी की बात हो तो आप आगे आएं।

मानव की सेवा करना बहुत बड़ा धर्म- आईजी गर्ग

पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने कहा कि भारत में वर्ष 1920 में भारतीय रेडक्रॉस का गठन हुआ। शारीरिक स्वास्थ्य की उन्नति, रोगों का प्रतिबंध, पीड़ितों की सहायता रेडक्रॉस का मुख्य कार्य है। रेडक्रॉस हमे सीखाता है कि एक अच्छे इंसान बनें, क्योकि मानव की सेवा करना बहुत बड़ा धर्म है। इस शिविर में भाग लेने वाले छात्र रेडक्रॉस के मूल्यों को आत्मसात कर मानव सेवा के प्रति समर्पित भाव से अवश्य ही कार्य करेंगे।

छात्रों को न केवल मानव सेवा के लिए प्रेरित करेगा- कलेक्टर

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद जूनियर रेडक्रॉस का यह प्रथम जम्बूरी है भारतीय रेडक्रॉस का मिशन मानवीय गतिविधियों के सभी पहलुओं को हर समय प्रेरित व प्रोत्साहित करना है, जिससे हम अपने आस-पास सकारात्मक परिवेश तैयार कर सकें। यह शिविर प्रतिभागियों के ज्ञान और अनुभव को समृध्द करते हुए उनकी सोच को नई दिशा देगी तथा छात्रों को न केवल मानव सेवा के क्षेत्र में आगे बढने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में भी सहायक होगा।

कलेक्टर ने जारी किया आदेश,भृत्य के पद पर मिली अनुकम्पा नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने राज्य शासन के मार्गदर्शी निर्देशों के तहत 03 आवेदकों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान कर तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर भृत्य के पद पर जिला कार्यालय में पदस्थ किया है। कार्यालय कलेक्टर से प्राप्त जानकारी अनुसार मधुबाला यादव पिता स्व. संतोष कुमार यादव ग्राम परसुली पोस्ट तुमाकला तहसील धमधा जिला दुर्ग को भृत्य के पद पर जिला कार्यालय दुर्ग में तथा श्री हिमांशु यादव पुत्र स्व. प्रकाश कुमार यादव 75/2 पचरी पारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग को भृत्य के पद पर जिला कार्यालय दुर्ग में पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार अभय राज भगत पिता स्व. सिकंदर राम भगत ग्राम दमगड़ा पोस्ट केराडीह तहसील कुनकुरी जिला जशपुर, वर्तमान पता ब्लाक नंबर 14 मकान नंबर 95 तीसरी बटालियन छ.ग.स.ब. अम्लेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग को भृत्य के पद पर जिला कार्यालय दुर्ग में पदस्थ किया गया है। उक्त आवेदकों को नियुक्ति आदेश जारी होने के 15 दिवस के भीतर कर्त्तव्य पर अनिवार्यत: उपस्थित होने कहा गया है।

राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस मीट में बीएसपी पेवेलियन की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 18 से 22 अक्टूबर 2024 तक प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस मीट का आयोजन भारती विश्वविद्यालय, पुलगांव, दुर्ग में किया जा रहा है। दुर्ग जिले से लगभग 300 से अधिक जूनियर, यूथ रेडक्रॉस एवं काउंसलर ने मीट में भाग लिया। इस मीट में रेडक्रास का इतिहास, संगठन, गतिविधियां, प्राथमिक उपचार, यातायात नियम, एडस जागरूकता, आपदा प्रबंधन सहित अन्य विषयों पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर स्थल में 20 से अधिक स्टालों का निर्माण किया गया है, जिनमें विभिन्न संस्थाओं और सरकारी विभागों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है। इस कार्यक्रम में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र भी भाग ले रहा है। इस पेवेलियन में भिलाई इस्पात संयंत्र की विभिन्न इकाइयों खदान, कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस, सिंटर प्लांट्स, स्टील मेल्टिंग शॉप्स, यूनिवर्सल रेल मिल, प्लेट मिल, बार एंड रॉड मिल, मर्चेन्ट मिल तथ वायर रॉड मिल में प्रचालन प्रक्रियाओं को प्रदर्षित किया गया है।

इस अवसर पर आयुक्त (दुर्ग संभाग) आईएएस सत्य नारायण राठौर, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी (दुर्ग) आईएएस ऋचा प्रकाश चैधरी, आईजी पुलिस, आईपीएस अधिकारी राम गोपाल गर्ग, पुलिस अधीक्षक (दुर्ग), आईपीएस अधिकारी जितेन्द्र शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ अश्वनी देवांगन तथा स्काउट एंड गाइड्स के कमिष्नर सहित आसपास के जिलों के डिप्टी कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने बीएसपी के पेवेलियन की सराहना की और आकर्षक पैनल, कटआउट और फिल्मों में गहरी रुचि ली।

राष्ट्र निर्माण में भिलाई इस्पात संयंत्र के उत्पादों के योगदान तथा बीएसपी निर्मित विभिन्न गुणात्मक उत्पादों को भी प्रदर्षित किया गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सतत प्रयासों से ग्रामीण विकास के लिए दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में संयंत्र द्वारा किए गए सामाजिक और सीएसआर गतिविधियों को पेवेलियन में कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया है। बीएसपी का पेवेलियन आकर्षक पैनल, कटआउट और फिल्मों के प्रदर्शन के कारण लोगों को आकर्षित कर रहा है।

जनसंपर्क विभाग द्वारा दर्षकों के जिज्ञासाओं का समुचित समाधान किया जा रहा है। 22 अक्टूबर, 2024 तक चलने वाले इस प्रदर्षनी का आप सभी लाभ उठा सकते हैं।

नगर पालिक निगम भिलाई-03 चरौदा में लोकार्पण भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री साव

भिलाई-03 चरौदा को 26 करोड़ 69 लाख के 144 विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में आज चरौदा के भांठापारा वार्ड में 26 करोड़ 69 लाख रुपये लागत के 144 विकास कार्यों का लोकार्पण/भूमिपूजन संपन्न हुआ। जिसमें 23 करोड़ 29 लाख के 128 कार्यों का भूमिपूजन तथा 3 करोड़ 40 लाख के 16 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, नगर निगम के महापौर निर्मल कोसरे भी कार्यक्रम में सम्मलित हुए।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरवासियों को विकास कार्यों के लिये बधाई एवं शुभकामनाये दी। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में सरकार बनी है, इसके 10 महीने के अंतर्गत 2 हजार 8 सौ करोड़ की राशि शहरों के विकास के लिए जारी किया जा चुका है। शहर की प्रतिष्ठा प्रदेश से जुड़ा है। इसलिए हम शहरों की विकास को प्राथमिकता दे रहे है। उन्होंने कहा कि जो काम विगत सरकार के 5 वर्षों में नहीं हुआ। सरकार बनते ही 12 दिनों में पूरा किया गया है। किसानों को 02 वर्षो के बोनस राशि की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। मोदी जी के गारंटी के तहत महतारी वंदन अंतर्गत हितग्राही महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह दिये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 18 लाख प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध करायी जाएगी। 08 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मिल चुकी है। वर्तमान में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव की सरकार में साय-साय विकास हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि भिलाई चरौदा के विकास के लिए पैसे की कमी नहीं होगी। यहाँ के विकास को और तेज गति से बढ़ाना है, इसके लिए सरकार काम कर रही है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के मांग पर भिलाई-3 चरौदा में खेल मैदान के लिए एक करोड़ रुपये की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने करकमलों से 25 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी सौंपी। प्रधानमंत्री स्व निधी योजना अंतर्गत लाभान्वित 4 महिला स्व सहायता समूह को राशि का चेक, 4 हितग्राहियों को सिलाई मशीन तथा राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटों प्रदान किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि निगमवासियों के मांग के अनुरूप सरकार ने विकास कार्यों की सौगातें दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सुशासन में मोदी जी की गारंटी पूरी हो रही है। विधायक कोर्सेवाड़ा ने निगम क्षेत्र अंतर्गत स्टेडियम निर्माण की ओर उप मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि आज निगम क्षेत्र में विकास की गंगा बहने जा रही है। यह सब क्षेत्र के जागरूक जनप्रतिनिधियों की विकास के प्रति समन्वय की भावना की देन है।

समारोह को महापौर निर्मल कोसरे ने भी सम्बोधित किया। निगम आयुक्त दशरथ राजपूत ने कार्यक्रम में विकास प्रतिवेदन का वाचन किया। इस अवसर पर नगर निगम के पार्षदगण, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

ग्रीन आर्मी का वंदे मातरम प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

रायपुर। ग्रीन आर्मी द्वारा चलाये जा रहे वंदे मातरम प्रशिक्षण कार्यशाला आज न्यू सेंट्रल कांवेंट स्कूल पुरानी बस्ती में संपन्न हुआ। संस्था द्वारा विगत माह 125 स्कूलों में एक साथ एक समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया था, जिसका शैक्षणिक संस्थानों द्वारा खूब सराहना किया गया था।

ज्ञात हो संस्था द्वारा 7 वर्षों से पर्यावरण का कार्य किया जा रहा है,जिसके लिए स्कूल कॉलेजों में संस्था द्वारा प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। इस कड़ी में आज न्यू सेंट्रल कांवेंट स्कूल में यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जहां 80 से 90 स्कूली बच्चों ने आज पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर ग्रीन आर्मी संस्था से प्रशिक्षक शशिकांत यदु, सुषमा शर्मा, नीलू अवधिया, आकाश पांडे, स्कूल समिति से डायरेक्टर श्रीमती नंदनी ठाकुर एवं समस्त शिक्षक शिक्षिका मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पूरे देश में हॉलमार्क जेवर की बिक्री अनिवार्य की जाए - हरख मालू

रायपुर। आज से तीन साल पहले भारत सरकार ने सोने के जेवरों के विक्रय के लिए हॉलमार्क की अनिवार्यता तय की थी। लेकिन विडंबना यह है कि हॉलमार्किंग ज्वेलरी की बिक्री देश में अनिवार्य रूप से नहीं हो रही है। एक देश एक व्यापार की तर्ज पर जब यह नियम बना है तो पालन कराने की जिम्मेदारी भी सरकार की है अत: संबंधित विभागों को दिशानिर्देश जारी किया जाए कि यह अनिवार्य रुप से पालन करें। इस संबंध में रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा है। संदर्भित विषय पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को भी इसी पत्र की कापी भेंजकर इसके क्रियान्वयन के लिए सहयोग की अपेक्षा जताई है।

श्री मालू ने भेजे पत्र में उल्लेखित किया है कि देश की सभी जेवर निर्माण इकाइयों को यह निर्देश दिया जाना उचित प्रतीत होता है कि केवल हॉलमार्किंग ज्वेलरी का ही निर्माण करें। हमारा आपसे अनुरोध है कि भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारी सेम्पल जांच के लिए सराफा बाजार जाते हैं निश्चित तौर पर यह उचित कदम है किंतु अधिकारियों को यह स्पष्ट दिशा निर्देश दिया जाना चाहिए कि वह व्यापारी पर अनावश्यक कार्रवाई या दबाव ना बनाएं इससे विभाग की छवि धूमिल होती है। व्यापारी भारतीय मानक ब्यूरो को पूर्ण सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप हमारी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करेंगे।

एसएसपी ने किया घायलों की मदद करने वाले 'गुड सेमेरिटन' का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला रायपुर क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग और अन्य सड़कों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले गुड सेमेरिटन (नेक व्यक्ति) को रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. संतोष कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने घायलों की मदद के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करने की अपील भी की।

उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार, सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वाले व्यक्तियों को गुड सेमेरिटन की संज्ञा दी गई है और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश हैं। इसी के तहत, एसएसपी रायपुर द्वारा प्रतिमाह सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने वाले गुड सेमेरिटन को सम्मानित किया जाता है। इसके प्रचार के लिए शहर के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, कलेक्ट्रेट गेट और मरीन ड्राइव में बड़े होर्डिंग्स भी लगाए गए हैं।

राकेश कुमार धीवर, ग्राम पलौद के निवासी राकेश ने 5 सितंबर 2024 को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाकर जान बचाई। डिगेश कुमार साहू, 1 अक्टूबर 2024 को खोरसी गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त तीन व्यक्तियों को निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाकर उनकी मदद की। संदीप गाडगिल, 1 अक्टूबर 2024 को कबीर नगर में दुर्घटनाग्रस्त महिला और एक्टिवा चालक को ऑटो में अस्पताल पहुंचाकर महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। विशाल वर्मा, 30 सितंबर 2024 को धनेली चौक के पास घायल मोटरसाइकिल चालक को तुरंत सहायता दिलाने के लिए पुलिस को सूचना दी और अस्पताल भेजा। मिथलेश डहरिया, रायपुरा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को पुलिस की सहायता से अस्पताल पहुंचाकर जान बचाई।

एसएसपी ने इन सभी नेक व्यक्तियों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी तरह सहायता करने का आह्वान किया। साथ ही, उनके इस कार्य की सराहना करते हुए प्रमुख स्थानों पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ओम प्रकाश शर्मा और उप पुलिस अधीक्षक गुरजीत सिंह भी उपस्थित थे।

पुलिस-निगम की संयुक्त टीम ने किया सिग्नल का निरिक्षण

रायपुर स्मार्ट सिटी, यातायात पुलिस एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ कार्य एजेंसी एलएंडटी की टीम एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली के तहत् विभिन्न चौक चौराहों पर स्थापित सिग्नल व उनकी टाइमिंग आदि का निरीक्षण करने निकली। ये ट्रैफिक सिग्नल और कैमरे शहरी यातायात को व्यवस्थित करने के साथ ही अपराध नियंत्रण हेतु सर्वेलांस में उपयोगी हैं।

संयुक्त दल में रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्ज्वल पोरवाल, डीएसपी ट्रैफिक गुरजीत सिंह, नगर निगम के कार्यपालन अधिकारी नितीश झा, आईटीएमएस प्रोजेक्ट की असिस्टेंट मैनेजर श्रीमती नेहा पटेल, डिप्टी मैनेजर रंजीत रंजन, असिस्टेंट मैनेजर शैलेन्द्र पटेल कार्य एजेंसी एलएंडटी के मैनेजर दीपक मालवीय शामिल थे। यह दल अब आईटीएमएस कैमरों, सिग्नल व अन्य इकाइयों का हर सप्ताह निरीक्षण करेगा। संयुक्त दल ने ट्रैफिक दबाव वाले क्षेत्रों में सिग्नल टाइमिंग की जांच की और स्वचालित सिग्नल की गतिविधियों को भी देखा। इस दल द्वारा आज शहर के भारी यातायात दबाव वाले 18 चौक-चौराहों निरीक्षण किया। आईटीएमएस प्रणाली के तहत् शहर में वर्तमान में 470 कैमरे कार्यरत है। चौराहों पर लगे सिग्नल से शहरी यातायात का प्रबंधन ट्रैफिक पुलिस द्वारा इंटीग्रेटेड सिटी कमांड सेंटर (आईसीसीसी) जय स्तंभ चौक से किया जाता है, उन्हीं के निर्देश पर ट्रैफिक सिग्नल्स के ऑपरेशनल मोड में बदलाव किया जाता है। वर्तमान में ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा दिए गए निर्देशानुसार 50 आईटीएमएस सिग्नल्स में 10 सिग्नल ब्लिंकर्स मोड पर चल रहें हैं।

जर्जर भवन व शिक्षकों की मांग को लेकर स्कूल में जड़ा ताला

■ मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के ग्राम पीपरछेड़ी में स्थित प्राथमिक स्कूल, मिडिल स्कूल व हाई स्कूल के लिए पर्याप्त स्कूल भवन नहीं होने और शिक्षकों के कुल 13 पद खाली होने से नाराज स्कूली बच्चे और ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर धरना प्रदर्शन कर शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

स्कूल भवन और शिक्षकों का अभाव

मामले की जानकारी लगते ही डिप्टी कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे जहां ग्रामीणों की मांग पर तत्काल दो शिक्षकों की वैकल्पिक व्यवस्था की गई वहीं नए स्कूल भवन निर्माण को लेकर डिप्टी कलेक्टर ने शासन को प्रस्ताव भेजने की बात कही है। आपको बता दें कि स्कूल भवन के अभाव में और शिक्षकों की कमी के चलते पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य अंधकार में है जिसे लेकर पालकों ने कई बार शिक्षा विभाग से लेकर कलेक्टर तक शिकायत किए थे लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया जिसके चलते आज सैंकड़ो स्कूली बच्चे और ग्रामीणों ने छ: घंटे तक स्कूल के बाहर ताला जड़ कर धरना दिया था।

भागीरथी साहू शाला प्रबंधन समिति प्राथमिक शाला पीपरछेड़ी की माने तो गांव में हाई स्कूल खुले 35 साल हो चुका है. वर्तमान की स्थिति में हाई स्कूल के लिए कोई भी भवन नही है। गांव वालों ने मिलकर चंदा करके भवन बनाया था। आज वह टूट गया है। हाई स्कूल के लिए एक भी भवन नही है। वर्त्तमान में आचार संहिता के पहले भी भवन की मांग कर चुके है। पूर्ववर्ती बघेल सरकार के समय हमे आश्वस्त किया गया था। शाला भवन के लिए पैसे भी आ गए थे। टेंडर भी पास हो चुका था लेकिन जैसे ही सरकार बदली काम मे भी रोक लग गई जिस वहज से आज भी 35 साल से स्कूल भवन नहीं है जिसके चलते आज स्कूल में ताला बन्दी कर विरोध किया गया।

रामेश्वरी कक्षा 12वीं की छात्रा ने बताया कि हमारी मांग है कि हाई स्कूल के लिए कोई भी भवन नही है। संस्कृतिक भवन और पुस्तकालय में बैठ के पढ़ाई करते है। टीचरों की कमी है न स्कूल में शौचालय है न कुछ. कक्षाए हमारी 8 होती है और सब्जेक्ट भी बहुत ज्यादा हो जाते है। सब्जेक्ट के हिसाब से टीचर नही है। पढ़ाई में काफी दिक्कत होति है। स्कूल में तालाबन्दी की तो शासन से सिर्फ दो टीचर देने की बात कही गई है। हमारी समस्याओं का निराकरण नही हो पाया है क्योंकि हमारे मैथ के टीचर का रिटायरमेंट हो चुका है। हमे समस्या न हो करके हमारे टीचर रिटायरमेंट के बाद भी हमे पढ़ा रहे है। पढ़ाई में काफी दिक्कत हो रही है। सरकार और प्रशासन को हमारी मदद करनी चाहिए ताकि हमारा भविष्य अंधकार में मत जाए।

उपसरपंच खेमराज पूरी गोस्वामी की माने तो उन्होंने बताया कि हमारे यहाँ 1984 से हाईस्कूल खुला है लेकिन आज भी बिना भवन के बच्चे पढ़ाई कर रहे है। हम गांव वालों ने चंदा करके भवन बनाया था लेकिन जर्जर होने के चलते वह भी टूट गया। कई बार सभी पार्टियों के नेताओं से जाकर अपनी समस्याओं से अवगत करा चुके है रायपुर तक जा चुके है। इसके अलावा हमारे स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के लिए 13 शिक्षकों के पद खाली है यदि दिवाली तक हमारी समस्याओं को प्रशासन नही सुलझा पाई तो फिर से सभी ग्रामीणों से चर्चा कर उग्र आन्दोलन करेंगे क्योंकि बच्चों के भविष्य की बात है।

स्कूल के टीचरों की समस्याएं रहती है वहां व्यवस्था की जाती है यहां भी वैकल्पिक व्यवस्था बगल के स्कूल से की गई है।

प्रवास मार्कले
जिला शिक्षा अधिकारी

दो टीचरों की व्यवस्था की गई है। स्कूल भवन की समस्या है, उसके लिए प्रपोजल शासन स्तर पर जिला प्रसासन से भेजा गया है। पुन: रिमाइंडर भेजा जाएगा ताकि जल्द भवन बन सके।

प्रतिमा ठाकरे झा, एसडीएम बालोद

200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने लिया शारीरिक स्वरक्षा का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के लैगिंक उत्पीड़न शिकायत समिति, राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मिशन साहसी (मेकिंग ऑफ फ्यिरलेस) के अन्तर्गत स्वरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस रानी दुर्गावती थीम पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की छात्राओं, महिला प्राध्यापकों-कर्मचारियों तथा उनके परिवार की महिलाओं एवं बालिकाओं को शारीरिक स्वरक्षा संबंधी तकनीकों का सजीव प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी अंजली गिरी गोस्वामी एवं सेकंड डेन ब्लैक बेल्ट आरती वर्मा द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि किसी महिला पर आकस्मिक घटना घटती है तो वे किसी भी छोटे से छोटे सामान जैसे हेयर पिन, पेन, स्प्रे आदि का उपयोग कर अपनी रक्षा कैसे कर सकते हैं, इसका सजीव प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षक द्वारा बताया गया कि जब कोई जबर्दस्ती हाथ पकडे तो उससे अपना बचाव कैसे करना है, अगर कोई पीछे से पकड़ने की कोशिश करता है तो उस पर वार कैसे करें एवं अन्य बचाव के तरीकों का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर लैगिंक उत्पीड़न शिकायत समिति की अध्यक्ष डॉ. आरती गुहे, राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुबुही निषाद एवं 200 से अधिक प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

मिशन साहसी के अन्तर्गत तीन दिवसीय स्वरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा लैगिंक उत्पीड़न शिकायत समिति, राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मिशन साहसी (मेकिंग ऑफ फियरलेस) के अन्तर्गत स्वरक्षा कार्यक्रम का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर, 2024 तक किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीन थीम रानी अहिल्याबाई होल्कर, रानी दुर्गावती एवं झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के साहस से प्रेरणा लेते हुए विश्वविद्यालय की छात्राओं, महिला कर्मचारियों एवं उनके परिवार की महिलाओं को शारीरिक स्वरक्षा संबंधी तकनीकों का सजीव प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे किसी आकस्मिक घटना की स्थिति में इस कौशल का प्रयोग कर अपनी स्वयं की एवं अन्य महिलाओं की सुरक्षा कर सकें। इस कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह श्रीमती ममता चंदेल के मुख्य आतिथ्य एवं विश्वविद्यालय की लैगिंक उत्पीड़न शिकायत समिति डॉ. आरती गुहे की अध्यक्षता में हुई।

इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं डॉ. जीके दास अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न से बचाव हेतु स्वरक्षा की शारीरिक दांव पेंच एवं तकनीक का अंजली गिरी गोस्वामी अन्तर्राष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी एवं सेकंड डेन ब्लेक बैल्ट द्वारा सजीव प्रशिक्षण तीन दिवस तक दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मिशन साहसी के अन्तर्गत यह छत्तीसगढ़ में आयोजित पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में सहभागिता हेतु डॉ. ज्योति भट्ट सचिव लैगिंक उत्पीड़न शिकायत समिति से संपर्क किया जा सकता है।

अस्पताल में संक्रमण रोकथाम की जिम्मेदारी हम सबकी : डॉ. खरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में अंतरराष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह (आईआईपीडब्ल्यू /इंटरनेशनल इन्फेक्शन प्रिवेंशन वीक) का आयोजन शुक्रवार को अस्पताल के टेलीमेडिसिन हाल में किया गया। यह कार्यक्रम अम्बेडकर अस्पताल के इन्फेक्शन कंट्रोल विभाग के डॉक्टरों एवं नर्सिंग टीम के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य अस्पताल में संक्रमण की रोकथाम एवं इसको फैलने से रोकने के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक और शिक्षित करना है। इन्फेक्शन कंट्रोल वीक के इस वर्ष की थीम ''मूविंग द नीडिल ऑन इन्फेक्शन प्रिवेंशन'' थी जिसका अर्थ ''संक्रमण की श्रृंखला को तोड़कर संक्रमण की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करना है। कार्यक्रम में अस्पताल के समस्त नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टॉफ ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे रंगोली, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के विभिन्न आईसीयू, वार्ड और ओपीडी में स्वच्छता बनाए रखने एवं संक्रमण प्रसार को रोकने की दिशा में बेहतर कार्य करने वाले नर्सिंग इंचार्ज एवं उनकी टीम को सम्मानित किया गया। नीडल स्टिक इंजरी हो जाने पर उसके त्वरित प्रबंधन पर आधारित पोस्टर का विमोचन भी इस मौके पर किया गया।

मेडिसिन विभाग के डॉ. आर. एल. खरे ने कार्यक्रम में पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि अस्पताल में संक्रमण के प्रसार को रोकने की जिम्मेदारी हम सबकी है, हम सबको लगातार इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। सबकी साझेदारी एवं सामूहिक जिम्मेदारी से ही हम संक्रमण की रोकथाम कर सकते हैं। हैंड हाइजीन, एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप, वैक्सीनेशन, वातावरणीय स्वच्छता, पीपीई किट, नीति और नेतृत्व की प्रतिबद्धता और नये नवाचारों तथा उन्नत प्रौद्योगिकी के जरिए अस्पताल में संक्रमण के प्रसार को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि कैथेटर एसोसिएटेड यूटीआई, सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इन्फेक्शन, वेंटिलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया और सर्जिकल साइट इन्फेक्शन का डॉक्यूमेंटेशन कर मरीजों को अस्पताल अर्जित संक्रमण से बचाया जा सकता है।

सहायक नर्सिंग अधीक्षक डॉ. नंदा रंगारी ने बताया कि इन्फेक्शन प्रिवेंशन की छोटी-छोटी आदतों के जरिए हम इन्फेक्शन को कंट्रोल कर सकते हैं। सतत निगरानी, स्पष्ट संक्रमण नियंत्रण नीतियां और उन्नत स्टरलाइजेशन तकनीकियों को अपनाकर मरीजों को स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमणों और कई अन्य संक्रामक खतरों से बचा सकते हैं।

वर्तमान में अम्बेडकर अस्पताल में इन्फेक्शन कंट्रोल विभाग कार्यरत है जिसमें इन्फेक्शन कंट्रोल ऑफिसर के रूप में सभी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं इन्फेक्शन कंट्रोल नर्सेस के रूप में पांच नर्सिंग स्टाफशामिल हैं। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. निकिता शेरवानी के मार्गदर्शन में यह विभाग अस्पताल में संक्रमण रोकथाम की दिशा में लगातार कार्यरत है। इस विभाग का उद्देश्य मानक संक्रमण नियंत्रण सावधानियों (एसआईसीपी) जैसे - हैंड हाइजिन (हाथ की स्वच्छता), व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), रेस्पिरेटरी हाइजिन एंड कफ एटिक्केट (श्वसन स्वच्छता और खांसने का शिष्टाचार), इंजेक्शन लगाने का सुरक्षित तरीका (सेफ इन्जेक्शन प्रैक्टिस), अस्पताल की सफाई और संक्रमण की निगरानी को अपनाकर स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमणों और अन्य संक्रामक खतरों से बचाना है। कहने का तात्पर्य है कि संक्रमण रोकथाम उपायों की सहायता से अस्पताल में कार्यरत मेडिकल स्टाफएवं भर्ती मरीजों को अस्पताल अर्जित संक्रमण (हॉस्पिटल एक्वायर्ड इन्फेक्शन/एचएआई) के खतरों से बचाना है। इन्फेक्शन कंट्रोल नर्सेस के तौर पर सोनल तिवारी, निधि सिंह, स्वप्निल तिवारी, सोनाली सोना और प्रियंका लाल कार्यरत हैं।

इस आयोजन के दौरान माइक्रोबायोलॉजी की डॉ. रूपम गहलोत, सहायक नर्सिंग अधीक्षक नंदा रंगारी, डी. अश्लेश्म, ए. दास, मंजू बघेल, वीणा पूर्ति, डॉ. रीना राजपूत, फार्मासिस्ट हरिशंकर साहू समेत अस्पताल के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। विदित हो कि 1986 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह (आईआईपीडब्ल्यू) का उद्देश्य प्रत्येक वर्ष संक्रमण की रोकथाम पर प्रकाश डालना है। यह सप्ताह प्रत्येक वर्ष 13 से 19 अक्टूबर तक मनाया जाता है।

99 फीसदी लोगों को नहीं पता है मुंह धोने का सही तरीका, हर कोई करता है ये गलती

सुबह उठकर अगर आप चेहरा धोते हैं तो यह आपके अच्छे हैबिट में से एक है. ऐसा न करने से न आपको सिर्फ फ्रेश फील होता है बल्कि स्किन का ग्लो भी कम होता है. हालांकि कुछ लोगों सुबह उठकर सबसे पहले चेहरा नहीं धोते हैं. ऐसा करने से आपको स्किन से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती है. सिर्फ इतना ही नहीं इससे आपके स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं. और तो और आप ड्राइनेश के शिकार भी हो सकते हैं. आज हम आपको चेहरा धोने का तरीका बताएंगे।

आपको यह जरूर फॉलो करना चाहिए.

क्लीन्ज़र चुनें: जब भी आप फेस साफ करने के लिए क्लींजर चुने तो अच्छा चुने. कोशिश करें कि क्लींजर में अल्कोहल न हो. नहीं तो स्किन को इससे नुकसान हो सकता है. बार-बार साबुन और क्लींजर एक्सफ़ोलीएटिंग क्लीन्ज़र से बचें.

- अपने हाथ धोएं: गंदगी और बैक्टीरिया हाथ के जरिए ट्रांसफर होती है इसलिए अपने चेहरे को साफ करने से पहले अपने हाथ को अच्छे से धो लें.
- अपना चेहरा गीला करें: गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें. ज्यादा गर्म पानी आपकी त्वचा के प्राकृतिक तेलों को हटा सकता है और केशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है.
- क्लीन्ज़र लगाएं: अपने चेहरे, गर्दन और जबड़े पर क्लीन्ज़र लगाने के लिए अपनी उंगलियों का उपयोग करें. इसे कम से कम 60 सेकंड तक मसाज करें.
- धोएं और सुखाएं: गुनगुने पानी से धोएं और अपने चेहरे को मुलायम तौलिये से थपथपाकर सुखाएं.
- मॉइस्चराइज़ करें: अगर आपकी त्वचा रूखी या खुजलीदार है, तो मॉइस्चराइज़र लगाएं.
- दिन में दो बार धोएं: सुबह और सोने से पहले अपना चेहरा धोएं. दिन में दो बार से ज़्यादा धोने से आपकी त्वचा रूखी हो सकती है.

क्या आपको नहीं करना है?

अपनी त्वचा को रगड़ने से बचें, क्योंकि इससे जलन हो सकती है. ऐसे उत्पादों से सावधान रहें जिनमें एस्ट्रिंजेंट या एक्सफोलिएंट होते हैं. आप ऐसे बॉडी वॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं जो आपके चेहरे और शरीर दोनों के लिए तैयार किया गया हो .अपने चेहरे को प्राकृतिक रूप से साफ करने के लिए, आप खीरे और टमाटर को बराबर मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना सकते हैं, इसे अपने चेहरे पर लगा सकते हैं और 15 मिनट बाद धो सकते हैं.

भूल भुलैया-3 में मंजुलिका बनीं माधुरी दीक्षित, विद्या बालन से होगी जोरदार टक्कर

अनीस बज्मी की हॉरर-कॉमेडी भूल भुलैया 3 साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म निर्माता सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट साझा कर रहे हैं। इस बीच विद्या बालन ने माधुरी दीक्षित के साथ धमाकेदार मुकाबले की एक रोमांचक क्लिप जारी की है।

फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कई टीजर और ट्रेलर जारी करने के बाद शुक्रवार को टी-सीरीज ने भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक नया टीजर जारी किया, जिस पर लिखा है 'इस दिवाली, रूह बाबा बनाम मंजुलिका देखने के लिए तैयार हो जाइए! 'भूल भुलैया-3' का ट्रेलर आउट।'

वीडियो की शुरुआत कार्तिक आर्यन की कमेंट्री से होती है, जिसमें वो कहते हैं कि केवल मूर्ख ही भूतों से डरते हैं। उसी समय माधुरी दीक्षित मंजुलिका के रूप में चिल्लाती सामने आती हैं और कहती हैं 'आप तो डर गए'। इसके बाद कार्तिक का किरदार रूह बाबा विद्या से कहता है 'मंजू, मैं तुम्हारे लिए आ रहा हूं'।

इस बीच कार्तिक और विद्या लोकप्रिय गेम शो कौन बनेगा करोड़पति 16 पर फिल्म का प्रचार करते नजर आएंगे। उनका एपिसोड आज (शुक्रवार) प्रसारित होगा। एपिसोड के कई प्रोमो पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जिसे लेकर प्रशंसक उत्साहित हैं और बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

अनीस बज्मी की आगामी फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, संजय मिश्रा, तृप्ति डिमरी और राजपाल यादव, संजय मिश्रा समेत अन्य कलाकार अहम रोल में हैं। फिल्म का ट्रेलर 17 अक्टूबर को जयपुर में लॉन्च किया गया था। यह भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। फिल्म 1 नवंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी की रिलीज का रास्ता साफ, मिला सेंसर सर्टिफिकेट

कंगना रनौत की इमरजेंसी की रिलीज के बीच कई उतार चढ़ाव आए लेकिन अब फिल्म की मुश्किलें खत्म होती हुई दिख रही हैं. फाइनली इसे सेंसर बोर्ड ने इमरजेंसी को सर्टिफिकेट दे दिया है. कंगना ने हाल ही में अनाउंस किया कि वे जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगी. कंगना ने इतना प्यार और सपोर्ट दिखाने के लिए अपने फैंस का धन्यवाद किया.

कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनकी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिल गया है और वे जल्द ही रिलीज डेट अनाउंस करेंगी. उन्होंने एक्स पर लिखा- हमें यह अनाउंस करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है. हम जल्दी ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगे. आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद.

सेंसर बोर्ड ने फिल्म में लगभग 13 कट्स और बदलाव करने को कहा था जिसके लिए मेकर्स राजी हो गए और फिल्म को यूए सर्टिफिकेट के साथ पास किया. हाल ही में खबर आई थी कि इमरजेंसी को पंजाब इलेक्शन के बाद रिलीज किया जा सकता है जो कि 14 नवंबर को होंगे. दरअसल इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही सिख कम्यूनिटी इसके विरोध में खड़ी है. इसीलिए इसकी रिलीज डेट 14 नवंबर के बाद रखी जा सकती है.

बता दें इमरजेंसी को कंगना ने खुद ही डायरेक्ट किया है और इस फिल्म में उन्होंने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल प्ले किया है. फिल्म 1975 में देश में लगे आपातकाल के बारे में हैं. पहले इमरजेंसी 14 जून को रिलीज होने वाली थी लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसकी डेट 6 सितंबर को पोस्टपोन कर दी गई थी. जिसके बाद इसके खिलाफ विवाद खड़ा हो गया और फिल्म रिलीज नहीं हो पाई. लेकिन अब फिल्म से मुसीबत के बादल हट चुके हैं और इसे सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट दे दिया है. कंगना और मेकर्स जल्द ही रिलीज डेट का एलान करेंगे.

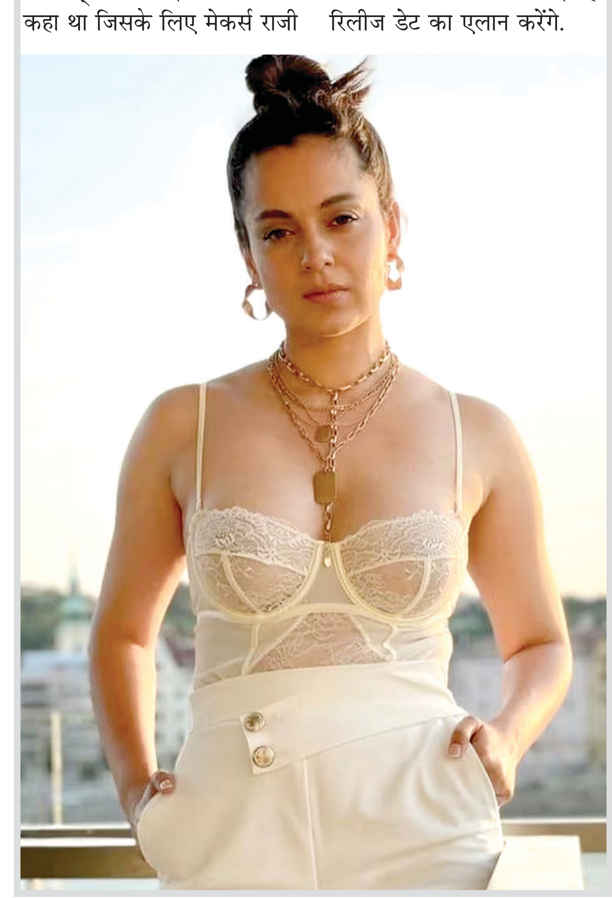

बॉडीकॉन आउटफिट में अनुष्का सेन दिखी बेहद हॉट, देखें एक्ट्रेस की ग्लैमरस फोटोज

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में लोगों के बीच अपनी पहचान बना ली है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस दौरान उनका सेक्सी अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।

एक्ट्रेस अनुष्का सेन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की थी और अब वो इंडस्ट्री का फेमस चेहरा बन चुकी हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक झलक पाने के लिए काफी ज्यादा बेताब रहते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इसमें उनका किलर लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने रेड कलर का आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं। बालों की चोटी बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरत तरीके से निखारा है।

एक्ट्रेस भले ही ही इन दिनों किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं। लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ के अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

बिग बॉस-17 फेम सना ने नहीं मानी चुनौतियों से हार, बताया कैसे किया सामना

बिग बॉस 17 से सुर्खियों में आई सना रईस खान ने हाल ही में अपना एक अनुभव साझा किया। अपने पेशे की चुनौतियों से डट कर मुकाबला करने की कहानी बताई। ये भी बताया कि कैसे वो अपने वकालत के पेशे और जिंदगी में सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ती हैं।

सना की मानें तो जिंदगी और प्रोफेशन को लेकर विचार स्पष्ट है।कहती है 'मैं काम को उसकी अहमियत और जरूरत के हिसाब से प्राथमिकता देती हूं।'

नामी वकील टीम वर्क पर भरोसा करती हैं। यही वजह है कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों को मैनेज करने के लिए अपनी टीम बना रखी है। उन्होंने बताया कि टीम की वजह से ही उन्हें अपने काम पर फोकस करने में मदद मिलती है।

रियलिटी शो स्टार ने आगे कहा 'मैं पहले एक वकील थी, लेकिन बिग बॉस ने मुझे पूरे भारत में पहचान दिलाई और अब देश की आम जनता सनसनीखेज और हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर मेरे केस के बारे में जानती है। बिग बॉस 17 के बाद इंद्राणी नेटफ्लिक्स डॉक्यू सीरीज ने मुझे इंटरनेशनल पहचान दिलाई।' यह देश का सबसे बड़ा मर्डर केस था जिसे सीरीज ने जाहिर किया।

फिर सना रईस खान ने अपने प्रोफेशन में आने वाली अन्य मुसीबतों और चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। सना ने बताया कि 'मेरे पेशे में बहुत जोखिम है, जहां लोगों की जान दांव पर लगी होती है। मैं सोशल जस्टिस में विश्वास रखती हूं जानती हूं कि हरेक केस के साथ लोगों की जिंदगी और मौत जुड़ी होती है।'

सना ने फिर उन धमकियों का जिक्र किया जिसने उन्हें परेशान तो किया लेकिन डट कर मुकाबला करने का सबक भी दिया। उन्होंने बताया, 'हरियाणा एनकाउंटर केस में अपनी मुवक्किल दिव्या पाहुजा के लिए लड़ते समय मुझे जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। खैर मैंने उसे जमानत दिलाई लेकिन फिर उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना की वजह से मैं काफी दिनों तक परेशान थी।

'बिग बॉस' फेम स्टार ने बताया कि 'समय बीतने के साथ मुझे अहसास हुआ कि मैं अपने काम से समाज में किस तरह का प्रभाव डाल सकती हूं, क्योंकि अल्लाह ने मुझे इस पेशे में रखा है, जहां मैं लोगों की जान बचा सकती हूं और खुशी का कारण बन उन्हें दूसरा जीवन दे सकती हूं।'

सना रईस खान ने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया। कहा 'मुझे हमेशा से खेल का शौक रहा है और जल्द ही एक नए स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट की घोषणा होगी।'

कमर पर लगातार हो रहा दर्द तो बिल्कुल न करें नजरअंदाज, हो सकता है खतरनाक

कमर दर्द आजकल आम समस्या बन गई है. घंटों लैपटॉप या कंप्यूटर के सामने बैठकर काम करने या घर का भारी सामान उठाने की वजह से रीढ़ और पीठ से जुड़ी मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिससे पीठ के निचले हिस्से यानी कमर में दर्द हो सकता है. इससे अलावा भी कई वजहों से पीठ दर्द हो सकता है. अगर यह दर्द लगातार हो रहा है तो तुरंत जाकर इसका इलाज कराना चाहिए, इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है. ये किसी गंभीर बीमारी के शुरुआती लक्षण भी हो सकता है.

कमर दर्द के कारण

1. गलत पोश्चर

कमर दर्द के एक नहीं कई कारण हो सकते हैं. गलत तरीके से बैठने यानी गलत पोश्चर से अक्सर पीठ दर्द हो सकता है. बैठने और खड़े होने का गलत तरीके से भी दर्द बढ़ सकता है. मांसपेशियों में खिंचाव की वजह से भी कमर दर्द गंभीर रूप ले सकता है.

2. हर्नियेटेड डिस्क

कमर दर्द का एक कारण हर्नियेटेड डिस्क भी हो सकता है. जिसमें रीढ़ की हड्डियों में गैप कम होने लगता है. इसकी वजह से डिस्क के अंदर का नरम तरल पदार्थ भी कम होने लगता है और उसके टूटने का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में उभरी और फटी डिस्क कमर दर्द का कारण बन सकती है.

3. उभरी या टूटी डिस्क

डिस्क रीढ़ की हड्डियों के बीच कुशन की तरह काम करती है. इसके अंदर का नरम पदार्थ के ऊपर उभरने या टूटने का

खतरा रहता है, जिससे तंत्रिका पर दबाव पड़ सकता है. इसकी वजह से भी कमर में लगातार दर्द हो सकता है. इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है.

4. एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस

कमर में लगातार दर्द एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की वजह से भी हो सकता है. ये रीढ़ की हड्डी से जुड़ी गंभीर समस्या है. इसमें रीढ़ की हड्डियों में सूजन और दूसरी हड्डियों का अनियंत्रित विकास जैसी समस्या है.

5. अर्थराइटिस

अर्थराइटिस हड्डियों से जुड़ी एक आम समस्या है, इसे गठिया भी कहा जाता है. इसमें रीढ़ की हड्डी के आसपास की जगह सिकुड़ जाती है, जिसकी वजह से गंभीर कमर दर्द हो सकता है. इसे इग्नोर करने से बचना चाहिए.

6. निमोनिया

निमोनिया फेफड़ों में होने वाला एक तरह का संक्रमण है, जिसमें बलगम से भरी खांसी, बुखार और उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसमें कमर दर्द की समस्या भी हो सकती है. ऐसा होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए.

कमर दर्द से बचने के उपाय

- लाइफस्टाइल-खानपान में सुधार करें.
- एक्टिव रहें, फिजिकल एक्टिविटी बनाए रखें.
- सही तरह से बैठें, गलत पोश्चर अपनाने से बचें

सरकार गरीबों के पक्का मकान के सपने को साकार कर रही है : मंत्री जायसवाल

पूर्ण हुए आवासों के हितग्राहियों को सौंपी चाबी, समूह की महिलाएं, राज मिस्त्री और लखपति दीदी हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री एवं बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिला मुख्यालय में आयोजित जिला स्तरीय एक दिवसीय आवास मेला में शामिल हुए। मंत्रीद्वय ने इस मौके पर योजना के तहत स्वीकृत आवासों का भूमिपूजन कर आवास मेला का शुभारंभ किया।

गौरतलब है कि जिले के 21 हजार 290 हितग्राहियों को स्वीकृत प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिले में स्वीकृत 28 हजार 766 आवासों को मार्च 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर मंत्रिद्वय ने आवास पूर्ण कर चुके 5 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। इसके साथ ही 5 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र प्रदान करने के साथ-साथ 4 लखपति दीदियों, 8 महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों और 'हम होंगे कामयाब' के अंतर्गत प्रशिक्षित राज मिस्त्रियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि सरकार गरीबों के पक्का मकान के सपने को साकार कर रही है। पहली कैबिनेट बैठक में ही मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में 18 लाख आवास की स्वीकृति पर मुहर लगाई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि हर परिवार का एक पक्का मकान, शौचालय, गैस चूल्हा हो तथा बच्चे स्कूल में पढ़ने जाएं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत सभी वायदे पूरे किए जा रहे हैं। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि बलौदाबाजार-भाटापारा जिले को एक बार में अब तक का सर्वाधिक प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मिली है। सरकार गांव, गरीब, किसान के लिए लगातार काम कर रही है। समाज के अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार के जनहितैषी कार्यो से छत्तीसगढ़ खुशहाल और समृद्ध हो रही है। कार्यक्रम को सांसद जांजगीर-चाम्पा श्रीमती कमलेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राकेश वर्मा, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सनम जांगड़े ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महिला आयोग की सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष श्री विजय केशरवानी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुमन योगेश वर्मा, उपाध्यक्ष श्री ईशान वैष्णव, जिला पंचायत सदस्य खुश्बू बंजारे, कलेक्टर श्री दीपक सोनी, सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

जशपुर जम्बूरी का तीसरा दिन युवाओं में भारी उत्साह

जम्बूरी टीम जशपुर की पर्यटन स्थल की सुंदर वादियों का लिया आंनद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जम्बूरी के तीसरे दिन की युवाओं की शुरुआत ताजगी भरी रही और प्रतिभागियों ने सुबह सुबह हर्बल चाय का आनंद लिया।

हरियाली की सुंदर वादियों और देश देखा में हर्बल चाय पीते ही ताजगी आ गई और एक रोमांचक रैपलिंग की गतिविधि हुई शुरू दिव्या प्रियदर्शिनी ने बताया कि नाश्ते के बाद, वे 'जॉय ऑफ लाइफ' सत्र में शामिल हुए, जिससे दिन की जीवंत ऊर्जा बढ़ गई। जशपुर जम्बूरी की टीम निकल पढ़ें जशपुर की सुंदर वादियों की शैर सपाटे के लिए जशपुर का मुख्य आकर्षण केन्द्र पर्यटन स्थलों में है। रानी दाह, चाय बागान, स्थानीय संग्रहालय और फूड लैब अवलोकन किया गया है।

शाम को, मेहमान इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लेंगे, जिसके बाद अलाव जलाया जाएगा और सितारों को देखा जाएगा। युवा ऊर्जा से भरपूर हैं और कार्यक्रम के जीवंत माहौल में पूरी तरह डूबे हुए हैं।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने लहराया राष्ट्रीय स्तर पर परचम

एफ.आई.सी.सी.आई. द्वारा "स्पेशल जूरी रिकगनिशन अवार्ड" से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए "स्पेशल जूरी रिकगनिशन अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को यह सम्मान फे़डरेशन ऑफ़ इंडियन चौंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफआई.सी.सी.आई.) द्वारा अम्बेडकर अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में 18 से 19 अक्टूबर 2024 तक आयोजित "19वीं उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन" में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिटेन की उच्चायुक्त सुश्री लिण्डी केमरान के करकमलों द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल को प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के कुशल मार्गदशन में विगत दो वर्षों में धान जनन द्रव्य संरक्षण, जैव विविधता एवं संबंधित उत्पादों पर अनुसंधान हेतु एवं उत्पादों के उपभोग के प्रति आमजनों तक जागरूकता लाने के संबंध में किये गये उल्लेखनीय कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया है। एफआई.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित 19वीं उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों ने भाग लिया, जिसमें आस्ट्रेलिया, इंग्लैण्ड, स्पेन तथा अफ्रिकी देश घाना के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्रिटेन की उच्चायुक्त सुश्री लिण्डी केमरान थीं। जो स्वयं भी एक शिक्षाविद हैं तथा समाजिक कार्यकर्ता के रूप में प्राख्यात हैं।

गौरतलब है कि इस अवार्ड हेतु देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षकिण संस्थाओं द्वारा एफआई.सी.सी.आई. के जूरी के समक्ष किये गये कार्यों का प्रदर्शन किया गया था, जिसमें जूरी ने अपना निर्णय देते हुये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर को शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार एवं उद्यमिता विकास के क्षेत्र में स्पेशल जूरी रिकगनिशन अवार्डप्रदान किया गया। यह अवार्ड मिलने से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हुई है।

पहले वार्डों को 4 लाख के कार्यों के लिए लगाने पड़ते थे चक्कर, अब 4 करोड़ के कार्य हो रहे सांय-सांय : उद्योग मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वार्डों को विकास के लिए बीते कुछ वर्षों में खूब इंतज़ार करना पड़ा, स्थिति ये थी की वार्डो को 4 लाख के कार्य के लिए महीनों तक चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन आज 4 करोड़ के कार्य सांय-सांय स्वीकृत भी हो रहे हैं, और तेज़ी से प्रारंभ कर पूर्ण भी किए जा रहे हैं।

उक्त बातें वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा नगर निगम के वार्ड क्रमांक-16 कोहड़िया के जोगियाडेरा में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के आसंदी से कही। मंत्री श्री देवांगन ने इस दौरान कोरबा के वॉर्ड क्रमांक-16 में 45 लाख रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शहरों में भी चहूमुखी विकास हो रही हैं। अब श्री साय सरकार में शहरवासियों को छोटे-मोटे कामों को लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के बीते 10 महीने में शहरों के विकास के लिए 250 करोड़ रूपए से अधिक की राशि निगमों को जारी किए गए है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ऑटो संघ के लिए बनेगा भवन, उद्योग मंत्री ने की भवन के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन आज कोरबा के बुधवारी स्थित आदिवासी शक्तिपीठ स्थल प्रांगण में आयोजित जिला ऑटो संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और बधाई देते हुए कहा कि ऑटो वाले तीनों मौसम में मेहनत करते हैं।

बड़ी ईमानदारी के साथ मेहनत करना और जिम्मेदारी तथा विश्वास के साथ यात्रियों को उनके मंजिल तक सुरक्षित पहुचाने का कार्य करते हैं। वे समय की परवाह नहीं करते। शहर से गांव, सुबह से रात में किसी को अस्पताल छोड़ना हो या फिर अन्य महत्वपूर्ण स्थान पर धूप में, बरसात में हर समय कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा योजना चलाई जा रही है। हमारे असंगठित क्षेत्र के सभी ऑटो ड्राईवर पंजीयन कराएं।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति किसी नए शहर में जाता है तो ऑटो ड्राइवर के माध्यम से उस शहर, प्रांत की विस्तृत जानकारी मिल जाती है। जिले के आटो चालक भी अपने दायित्वों का निर्वहन करें और यात्रियों के दिल में भरोसा बनाए रखते हुए जिले के विकास में अपनी योगदान दें। उन्होंने आटो चालकों की समस्याओं को दूर करने हरसंभव मदद की बात कहते हुए संघ के लिए भवन हेतु 20 लाख की राशि देने की घोषणा की। मंत्री श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में कल्याणकारी योजना संचालित होने की बात कही और बताया कि मोदी की गांरटी के तहत प्रदेश की महिलाओं को हर माह एक हजार उनके खाते में दी जा रही है। किसानों के हित के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिकों एवं असंगठित मजदूरों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को बताते हुए लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन, श्री राजीव सिंह ने भी संबोधित किया। मंत्री श्री देवांगन ने आटो संघ के अध्यक्ष आजम खान, उपाध्यक्ष पंकज तिवारी, सचिव श्री यशवंत कौशिक सहित अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, आटो चालक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद के महाकुंभ

छत्तीसगढ़ राज्य 108 पदक जीत कर पहले स्थान पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चल रहे 27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह 20 अक्टूबर को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा, रायपुर में किया जा रहा है। इस वन खेलकूद प्रतियोगिता में विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ राज्य वन विभाग ने सबसे अधिक पदक प्राप्त कर अपना प्रथम स्थान पर बने रहे। रिपोर्ट लिखे जाने तक छत्तीसगढ़ 57 गोल्ड, 28 सिल्वर, 23 कांस्य पदक लेकर कुल 108 पदक और 435 पॉइंट के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। वहीं पदक तालिका में दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः केरल और मध्यप्रदेश की टीम ने अपना स्थान बनाया हुआ है।

गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में 29 राज्य, 08 केन्द्र शासित प्रदेश, 06 वानिकी संस्थानों एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारियों के लगभग 3000 खिलाड़ियों जिसमें लगभग 584 महिला एवं 2320 पुरूष खिलाड़ी भाग लिया था। प्रतिभागियों के बीच 23 खेलों की 300 विधाओं जैसे एथलेटिक्स, बैडमिंटन, लॉन टेनिस, वेटलिफटिंग, कैरम, स्वीमिंग, तीरंदाजी, कबड्डी, क्रिकेट, फुटबॉल, बॉलीबाल जैसे खेलों के व्यक्तिगत एवं समूह खेलों का आयोजन किया गया। देशभर से आए वन विभाग के प्रतिभागियों के बीच प्रतिस्पर्धा हुआ। प्रतिस्पर्धा प्रत्येक प्रतिभागी द्वारा अपने प्रतिद्वंदी को कड़ी चुनौती दी गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य के कुल 1200 पदक प्रदाय किए जाएंगे।

27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता खिलाड़ियों द्वारा अपने खेल कौशल को निखारे तथा विभिन्न संस्कृतियों, विचारों और भावनाओं के प्रति भी एक-दूसरे का सम्मान किये। यह आयोजन न केवल प्रतिस्पर्धा का पर्व रहा, बल्कि भाईचारे, मेहनत और सामूहिक एकता का उत्सव भी दिखा। इस समापन समारोह में खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन तथा खेल के प्रति जागरूकता लाने के लिए ऑलंपिक पदक विजेता सुश्री मनु भाकर, निशानेबाज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी।

खेल महाकुंभ के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता वनमंत्रीकेदार कश्यप एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में असम राज्य के वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, उत्तराखंड राज्य के वन मंत्री सुबोध उनियाल, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत, रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण के विधायक मोती लाल साहू के साथ ही वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण इस समापन समारोह में उपस्थित रहेंगे।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए अग्रवाल सभा कोरबा को मिला सम्मान

कोरबा। अग्रवाल सभा कोरबा के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिनों छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन का सम्मान समारोह, श्री अग्रसेन जयंती एवं साधारण सभा की एक बैठक 13 अक्टूबर, रविवार को रायपुर के जी.ई रोड स्थित एस. एन पैलेस में आहूत की गई। यहां नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका की उपस्थिति थी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बृजमोहन अग्रवाल (पूर्व मंत्री एवं सांसद रायपुर), संपत अग्रवाल (विधायक बसना) संरक्षक जयदेव सिंघल, महेन्द्र सक्सेरिया प्रांतीय अध्यक्ष, नेतराम अग्रवाल प्रांतीय चेयरमेन, डॉ. अशोक अग्रवाल, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक मोदी, राजेन्द्र अग्रवाल (राजू) एवं प्रांतीय महामंत्री मनोज अग्रवाल अग्रवाल सभा कोरबा के बजरंग अग्रवाल की उपस्थिति थी।

छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन के समारोह में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के हाथों पूर्व में कोरबा में अयोजित अग्रअलंकरण समारोह व अग्रवाल सभा के उत्कृष्ट कार्यो के लिए अग्रवाल सभा कोरबा को सम्मान दिया गया यह सम्मान अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष श्रीकांत बुधिया व वर्तमान अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल के द्वारा लिया गया है नवगठित कार्यकारिणी अशोक मोदी को छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन का नवनिर्वाचित " चेयरमेन " नियुक्त किया है जिसके लिए बधाई दी।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नारायणपुर आईईडी ब्लास्ट में दो जवान शहीद, गश्त से लौटते समय चपेट में आए, दो जवान घायल

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शनिवार को आईईडी की चपेट में आने से दो जवान शहीद हो गए हैं वहीं दो जवान घायल हुए हैं। जिले के अबूझमाड़ के मोहंदी में नक्सलियों ने यह आईईडी ब्लास्ट किया है। इस ब्लास्ट में आईटीबीपी यानी इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस के चार जवान घायल हुए जिनमे से दो शहीद हो गए। अन्य दो की हालत सामान्य है। घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए रायपुर एयर लिफ्ट किया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर जिले के ओरछा, मोंडी एवं एरठभट्टी से तिब्बत सीमा सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल एवं जिला रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त पार्टी नक्सली अभियान के लिए धुरबेड़ा की ओर रवाना हुए थे। वापसी के दौरान दोपहर ग्राम कोडलियर के पास जंगल में बारूदी सुरंग के चपेट में आने से तिब्बत सीमा सुरक्षा बल के दो जवान अमर पनवार (36) महाराष्ट्र और के राजेश (36) आंध्रप्रदेश के रहने वाले हैं। घायल जवानों को बेहतर इलाज के रायपुर रवाना किया गया।

बीजापुर में कांग्रेस नेता की हत्या, नक्सलियों ने दिन दहाड़े कुल्हाड़ी से काटा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने कांग्रेस नेता की हत्या कर दी। जिले के उसूर में कांग्रेस नेता की दिनदहाड़े कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। हत्या की वजह सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेता को कुछ समय पहले नक्सलियों द्वारा धमकी दी गई थी। कांग्रेस नेता यहां सोसायटी चलाता है।

मिली जानकारी के अनुसार मारुड़बाका निवासी पूर्व सरपंच, उसूर ब्लॉक कांग्रेस के महामंत्री व सोसाइटी संचालक तिरुपति भंडारी (35) की हत्या कर दी गई। वे शनिवार शाम करीब चार बजे के आसपास उसूर में टेकमेटला मार्ग पर स्थित सोसाइटी में चावल बांट रहे थे। इसी दौरान पांच से छह नक्सली सादे वेशभूषा में आये और तिरुपति पर कुल्हाड़ी से हमला कर उनकी हत्या कर दी। नक्सलियों ने तिरुपति की हत्या क्यों की इसका कारण अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि नक्सलियों द्वारा उसे पहले धमकी दिए जाने की बात सामने आई है। इधर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर घटना के संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

दो साल की मासूम से दुष्कर्म, खून से लथपथ मिली बच्ची

जांजगीर-चांपा। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में दो साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पीड़ित बच्ची खून से लथपथ घायल अवस्था में झाड़ियों में मिली है। उसे जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी अनुसार, शनिवार शाम करीब 6.40 बजे बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान उसे कोई अज्ञात व्यक्ति ले गया और उसके साथ दुष्कर्म कर झाड़ियों में फेंक दिया। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। इसके बाद उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां बच्ची का उपचार जारी है।

सिटी कोतवाली थाने में परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एएसपी राजेंद्र जायसवाल और थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। वहीं, कुछ संदेहियों को पकड़कर पूछताछ की जा रही है।

साइबर पखवाड़ाः दुर्ग पुलिस ने 5 लाख से ज्यादा लोगों को किया जागरूक

- दुर्ग पुलिस ने फिजिकल और डिजिटल दोनों माध्यमों से आम जनता तक बनाई अपनी पहुंच
- आईजी, एसपी सहित सभी राजपत्रित अधिकारियों ने आम जनता को किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। युवा वर्ग को साइबर अपराधों से बचाने हेतु साइबर प्रहरी की टीम के द्वारा सेक्टर 9 स्थित फुटबॉल ग्राउंड पहुंचकर सभी युवा खिलाड़ियों को एवं उनके कोच को ट्रेंडिंग सायबर अपराधों के बारे में बता कर जागरूक कराया गया। पिछले 15 दिनों में दुर्ग पुलिस ने 150 से ज्यादा स्थलों पर पहुंचकर 5 लाख से ज्यादा लोगों को जागरुक किया। छत्तीसगढ़ पुलिस के राज्यव्यापी साइबर जन जागरूकता पखवाड़ा अभियान के तहत, दुर्ग जिले में लगातार साइबर सुरक्षा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेंद्र शुक्ला के पर्यवेक्षण में यह अभियान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सुखनंदन राठौर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग अभिषेक झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण वेद व्रत सिरमौर के द्वारा संचालित किया गया। पूरे जिले में विभिन्न माध्यमों का उपयोग कर इस अभियान के तहत आम जनता तक साइबर जागरूकता डिजिटल एवं फिजिकल दोनों माध्यमों से पहुंचाई गई। इसमें उप पुलिस अधीक्षक यातायात सतीश ठाकुर, साइबर प्रहरी नोडल अधिकारी डॉ. संकल्प राय, थाना व चौकी प्रभारी तथा साइबर प्रहरी टीम एवं साइबर वालंटियर्स ने 15 दिनों तक लगातार काम किया और लाखों लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज में जागरुकता अभियान

इस अभियान के अंतर्गत 5 अक्टूबर 2024 से 19 अक्टूबर 2024 तक दुर्ग पुलिस ने 150 से अधिक स्थानों पर जाकर 5 लाख से अधिक लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। अंतमि दिन चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय, कचांदुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग (आईपीएस) श्री चिराग जैन ने छात्रों को साइबर अपराधों से बचने के महत्वपूर्ण उपाय बताए। उन्होंने छात्रों को किसी भी संदिग्ध लिंक, फर्जी वेबसाइट और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए उपयोगी वेबसाइटों की जानकारी दी और लाइव डेमो के माध्यम से सही तरीके से जांचने की प्रक्रिया समझाई। कार्यक्रम में साइबर प्रहरी नोडल अधिकारी डॉ. संकल्प राय, चौकी प्रभारी अंजोरा श्री पुरुषोत्तम कुर्रे ने भी छात्रों को डिजिटल फ्रॉड, साइबर सेक्सटॉर्शन, शेयर ट्रेडिंग फ्रॉड, बिटकॉइन फ्रॉड, और वॉट्सएप हैकिंग से सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के डेंटल विभाग के एचओडी डॉ. कुलदीप सिंह सांगा और डॉ. शिल्पी ने कार्यक्रम के दौरान सीएसपी दुर्ग, आईपीएस चिराग जैन और साइबर प्रहरी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया और छात्रों से अपील की कि वे साइबर प्रहरी ग्रुप से जुड़कर साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें।

पावर ग्रिड कुम्हारी भी पहुंची पुलिस की टीम

इसके अलावा पॉवरग्रिड कुम्हारी उपकेंद्र में भी साइबर जागरूकता पर एक विशेष एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। इसमें पॉवरग्रिड कुम्हारी उपकेंद्र के महाप्रबंधक प्रभारी श्री राज किशोर दाश, महाप्रबंधक श्री आर. पी. साहू, श्री पिनाकी भट्टाचार्य सहित उपकेंद्र के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुखनंदन राठौर और उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री सतीश ठाकुर ने साइबर अपराधों से बचने के विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला। इसी के साथ, पॉवरग्रिड के सभी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स के लिए भी साइबर जागरूकता पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए।

स्कूल व प्ले ग्राउंड में स्टूडेंट्स को भी किया जागरुक

दुर्ग पुलिस की टीम ने स्कूल व प्ले ग्राउंड में जाकर छात्रों व खिलाड़ियों को भी जागरूक किया। श्री महावीर जैन स्कूल, दुर्ग के छात्रों को भी साइबर अपराधों से बचने के लिए जागरूक किया गया। डॉ. संकल्प राय ने कार्यक्रम में बताया कि युवाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना आवश्यक है, ताकि वे न केवल स्वयं बल्कि अपने परिवार और समाज को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर सकें। यह कार्यक्रम युवाओं को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और ऐसे जागरूकता अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।युवा वर्ग को साइबर अपराधों से बचाने हेतु साइबर प्रहरी की टीम के द्वारा सेक्टर 9 स्थित फुटबॉल ग्राउंड पहुंचकर सभी युवा खिलाड़ियों को एवं उनके कोच को नए ट्रेडिंग साइबर अपराधों के बारे में बात कर जागरूक कराया गया एवं उनका साइबर प्रहरी ग्रूप से जुड़कर जागरूक रहने की अपील भी की गई। साथ ही साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग करने की बात बताई गई। कार्यक्रम के दौरान सायबर थाना प्रभारी तापेश्वर नेताम, सायबर थाना से प्र.आर. राजेंद्र गिरी, पुलिस पीआरओ प्रशांत कुमार शुक्ला, साइबर प्रहरी टीम और साइबर वालंटियर्स ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को नवीनतम साइबर खतरों के प्रति सतर्क करना और उन्हें सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं के बारे में जागरूक करना था।

कातिल प्रेमीः रात में प्रेमिका को बुलाया मिलने, पिटाई करने के बाद कुएं में दे दिया धक्का, युवती की हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। विश्रामपुर थाना क्षेत्र में युवक ने कुएं में धक्का देकर अपनी अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि युवती प्रेमी पर शादी के लिए दबाव डाल रही थी, जिससे नाराज होकर प्रेमी ने कुएं में धकेल दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को कलश यात्रा में शामिल होने 19 वर्षीय पूजा सिंह अपने रिश्तेदार उर्मिला के साथ ग्राम पंचायत रामनगर के अडरापारा पहुंची थी। जिसके बाद शाम करीब पांच बजे पूजा सिंह के प्रेमी धौरापारा निवासी महेंद्र सिंह (20) ने उसे फोन कर अपने घर बुलाया। पूजा सिंह जब अपनी रिश्तेदार उर्मिला के साथ प्रेमी के घर पहुंची तो महेंद्र सिंह ने उससे मारपीट की। इसके बाद पूजा और उर्मिला को बाइक पर बैठाकर उसके घर ले जाकर पहुंचा दिया।

रात करीब आठ बजे प्रेमी महेंद्र सिंह फिर से पूजा सिंह के घर पहुंचा। उसे घर से बाहर बुलाकर फिर से मारपीट की। इस दौरान वहां आरोपी के पिता सूबे सिंह और भाई सत्येंद्र सिंह भी मौजूद थे। मारपीट के बाद प्रेमी महेंद्र सिंह, उसके पिता और भाई ने मिलकर पूजा को कुएं में धकेल दिया। रात करीब आठ बजे जब पूजा के पिता रामजलिंधर घर लौटे तो उन्हें पूजा की मां मानकुंवर ने रोते हुए घटना की जानकारी दी।

मामले की सूचना देर रात पुलिस को दी गई। शुक्रवार को एएसपी सूरजपुर संतोष महतो के साथ पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने पूजा सिंह के शव को कुएं से निकलवाया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। एडिशनल एसपी संतोष महतो ने बताया कि युवक और युवती के बीच करीब डेढ़ साल से प्रेम संबंध था। मामले में आरोपी प्रेमी समेत उसके पिता और भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मृतका और उसके प्रेमी का मोबाइल जब्त किया है। मामले की जांच की जा रही है।

अनोखा चोर जो चुराता है महिलाओं के कपड़े, घर के बाहर सूख रहे साड़ी-ब्लाउज व पेटीकोट करता था पार

- जशपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र का मामला, चार साल से कर रहा था यह काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने एक ऐसे चोर को पकड़ा है जो धन दौलत नहीं बल्कि महिलाओं के कपड़े चुराता है। पिछले चार साल से युवक महिलाओं की साड़ी, ब्लाउज, पेटीकोट व अन्य कपड़ों पर हाथ साफ करता और उन्हें पहनकर नाचता था। युवक ने बीते दिनों एक कृषि अधिकारी के घर पर सात नई साड़ियां चोरी की और इसके बाद इस मामले की शिकायत पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में जो बात सामने आई यह जानकर पुलिस भी हैरान परेशान है। आरोपी के खिलाफ धारा 331(4), 305(ए) के तहत कार्रवाई की गई।

दरअसल 18 अक्टूबर को नारायणपुर थाना पहुंचकर ग्राम रानीकोम्बो निवासी सलिल कुजूर ने बताया कि वह ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ है। 12 अक्टूबर 2024 को अपनी पत्नी का स्वास्थ्य खराब होने पर इलाज के लिए बाहर लेकर गया था। शुक्रवार की शाम अपने क्वार्टर में आकर देखा तो दरवाजे के बाहर लगा ताला टूटा हुआ था। अन्दर जाकर देखा कि अलमारी में रखे 7 साड़ियां अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर उक्त धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना दौरान मुखबिर से पता चला कि इस तरह की साड़ी चोरी का आरोपी ग्राम चिटकवाईन का रहने वाला इमिल तिर्की हो सकता है। सूचना पर तत्काल दबिश देकर आरोपी को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया, पूछताछ में उसके द्वारा उक्त घटना दिनांक को प्रार्थी के क्वार्टर का ताला तोड़कर 07 नग साड़ी की चोरी करना स्वीकार किया एवं उसके कब्जे से चोरी किया हुआ 07 नग साड़ी को जब्त किया गया है।

आरोपी इमिल तिर्की से पूछताछ करने पर बताया कि वह विगत 4 वर्ष से गांव-गांव जाकर घरों के बाहर सूख रहे महिलाओं के कपड़े जैसे-साड़ी, पेटीकोट, ब्लाउज व अन्य कपड़े चोरी करता है। उन कपड़ों को पहन कर खूब नाचता है। चुंकि साड़ी ब्लाउज, पेटीकोट व अन्य कपड़ों की चोरी के कारण किसी ने भी इन चार सालों में शिकायत नहीं दर्ज कराई इसलिए यह अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी नारायणपुर उप निरीक्षक सतीश सोनवानी, प्रधान आरक्षक अनानियुस टोप्पो विरेन्द्र भगत का योगदान रहा है।

कंपनी का सुपरवाइजर ही निकला चोर, दोस्त की मदद के लिए बनाया प्लान, पुलिस को सुनाई झूठी कहानी

- सीन-रिक्रिएशन में राइट-लेफ्ट हैंड के चक्कर में पकड़ाया, दोस्त भी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में इस्कॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सुपरवाइजर ने अपने दोस्त की मदद के लिए 20 लाख की लूट की साजिश रची। कंपनी के पैसों को खुद ही लूट लिया। पुलिस को कहानी सुनाई की बाइक सवार धक्का-मुक्की कर बैग में रखे कैश को लेकर भाग गया। मामला मुजगहन थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने बताया कि सुपरवाइजर को सीन रीक्रिएशन के लिए लेकर गए। इस दौरान आरोपी सुपरवाइजर पुलिस को गुमराह करने लगा, लेकिन क्रॉस क्वेश्चन में पहले राइट हैंड कहा फिर लेफ्ट हैंड कहा। आरोपी इसी कन्फ्यूजन में फंस गया। आरोपी ने कहा था कि लुटेरे से धक्का मुक्की में बाइक का एक्सीलेटर घूम गया।

मुख्य आरोपी खुद सुपरवाइजर मनोज कुमार ध्रुव है। मनोज कुमार ध्रुव रायपुर के कमल विहार स्थित इस्कॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का सुपरवाइजर है। उसने पुलिस को गुमराह करते हुए बताया था कि 17 अक्टूबर को मुजगहन थाना क्षेत्र के कमल विहार में उसके साथ लूट हो गई। एक बाइक सवार ने 20 लाख रुपए से भरा बैग लूट लिया। वारदात के बाद पुलिस अलर्ट हो गई। लुटेरे की खोजबीन की। वहीं सुपरवाइजर से भी पूछताछ की। शुरुआती छानबीन में सुपरवाइजर मनोज कुमार ध्रुव के बयान के बाद पुलिस को शक हुआ।

आरोपी ने कहा- सबकुछ राइट हैंड की तरफ ही हुआ

पुलिस मनोज को उस जगह पर लेकर गई जहां घटना हुई थी। इस पूरी घटना का सीन रिक्रिएशन करवाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, मनोज इसी दौरान फंस गया। उसने मीडिया को दिए बयान में कहा कि उसके हाथों से गाड़ी का एक्सीलेटर घूम गया और गाड़ी जाकर नाली में गिर गई। जब पुलिस के अधिकारियों ने बारीकी से पूछताछ की तो पता चला कि उस वक्त राइट हैंड में मोबाइल था। बाइक का एक्सीलेटर भी राइट हैंड में होता है। बयान में लुटेरे का जिक्र भी राइट साइड ही था। इसके अलावा उसकी बाइक नाली में भी अपोजिट डायरेक्शन में गिरी है। राइट तरफ से धक्कामुक्की और झुकाव होने के समय संभव नहीं है। इस मनगढ़ंत कहानी के बाद पुलिस का शक यकीन में बदल गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर मनोज ने लूट की झूठी काल्पनिक कहानी की बात कबूल कर ली।

दोस्त की जरूरत पूरी करने बनाया प्लान

मनोज ने पुलिस को बताया कि इसका एक दोस्त योगेंद्र कुमार भारती है। उसको व्यापार में भारी नुकसान हुआ था। योगेंद्र ने उसे रोते हुए पैसों की जरूरत बताई थी। इसके बाद मनोज कुमार ध्रुव ने दोस्त की मदद करने के लिए अपने कंपनी के 20 लाख रुपए लूट लेने की योजना बनाई। इसके लिए बाकायदा वह घर से निकाला और घटनास्थल पर भी गया। लूट की जगह उसने रकम अपने दोस्त के हाथ में थमा दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी मनोज कुमार ध्रुव और उसके दोस्त योगेंद्र कुमार भारती को गिरफ्तार कर लिया है। मनोज फिंगेश्वर का रहने वाला है वही योगेंद्र आरंग का निवासी हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से 18 लाख 54 हजार और चार मोबाइल फोन समेत बाइक बरामद कर ली है। पुलिस ने मनोज पर झूठी एफआईआर करने के लिए अलग मुकदमा दर्ज किया है।

आरोपी ने मीडिया के सामने कैमरे पर भी सुनाई झूठी कहानी

इस बीच मनोज कुमार ध्रुव ने पूरी घटना मीडिया के सामने कैमरे में सुनाई, जिसमें वह कह रहा था वह रुपए लेकर घर से बाइक पर ऑफिस के लिए निकला था। उसने रुपए से भरा बैग बाइक की टंकी के ऊपर रखा था। इसी दौरान पीछे से एक युवक बाइक पर आया। उसने मोबाइल छीनने का प्रयास किया। वह राइट हैंड की तरफ था, लेकिन मनोज ने मोबाइल को अपने हाथ में पकड़ लिया। तभी लुटेरे ने बाइक को लात मारी और बैग को छीनकर भाग गया। घटना के बाद पुलिस को शिकायत कर्ता सुपरवाइजर पर ही शक था। इस तरह के मामले पुलिस के सामने पहले भी आ चुके हैं इस वजह से पुलिस ने सीन रीक्रिएट किया और उसमें आरोपी फंस गया।

अब किसी के साथ नहीं होगा अन्याय, आपके साथ हमेशा खड़ी है हमारी सरकार : विष्णु देव साय

दिवंगत शिक्षक पंचायत के परिजनों को लम्बे संघर्ष यात्रा का मिला सुखद परिणाम, मुख्यमंत्री ने निभाया बहनों से किया वादा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमें लम्बे संघर्ष के बाद आज यह सम्मान मिला है। हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री ने हमारी पीड़ा समझी और बड़ी राहत देने का काम किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय, रायपुर में दिवंगत शिक्षक पंचायत संवर्ग संघ के आश्रितों ने मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री को उन्होंने गजमाला पहनाकर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भी सभी बहनों को शुभकामनाएं दी और कहा कि हमारी सरकार हमेशा आपके साथ खड़ी है और किसी के साथ भी अन्याय नहीं होगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 16 अक्टूबर को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में दिवंगत शिक्षक पंचायत संवर्ग संघ के परिजनों की अनुकंपा नियुक्ति के लिए निर्णय लिया गया था। दिवंगत शिक्षक पंचायत संवर्ग संघ के आश्रित अनुकंपा नियुक्ति के लिए आंदोलन कर रहे थे। संघ के सदस्यों ने बताया कि दिवंगत शिक्षकों के परिजनों द्वारा पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में 300 से अधिक दिनों तक लगातार आंदोलन किया गया था, जिसमें उन्होंने अलग-अलग ढंग से प्रदर्शन कर सरकार के सामने अपनी मांगे रखी थी। उनके लम्बे संघर्ष का सुखद परिणाम अब सामने आया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने दिवंगत शिक्षक पंचायत के परिजनों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उन्हें अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का रास्ता खोल दिया है। इस अवसर पर श्री संजय श्रीवास्तव, गौरी शंकर श्रीवास दिवंगत शिक्षक पंचायत कल्याण संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांगता : चुनौतियों से अवसर तक पुस्तक का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यहां अपने निवास कार्यालय में दिव्यांगता पर आधारित पुस्तक दिव्यांगता: चुनौतियों से अवसर तक का विमोचन किया। इस कृति को के. शारदा, प्रीति शांडिल्य और डॉ. अभिनव मिश्रा ने सह-लेखक के रूप में तैयार किया है।

मुख्यमंत्री को पुस्तक के लेखकों ने बताया कि यह किताब छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, संसाधनों और सुविधाओं का व्यापक विवरण प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त, यह दिव्यांगता प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया, दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं और अधिकारों से संबंधित जानकारी प्रदान करती है।

समाज में संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से यह पुस्तक शिक्षकों और दिव्यांगजनों के परिवारजनों को प्रशिक्षण देने और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने पर भी केंद्रित है। इसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों के दिव्यांगजनों की 15 प्रेरणादायक कहानियों को भी शामिल किया गया है, जो उनकी अदम्य इच्छाशक्ति, चुनौतियों पर विजय और असाधारण धैर्य की मिसाल पेश करती हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लेखकों द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय को उजागर करने की पहल की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक न केवल दिव्यांग समुदाय बल्कि समूचे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि यह पुस्तक समाज में दिव्यांगजनों के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और उनके जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उल्लेखनीय है कि इस पुस्तक के लेखकगण के. शारदा एवं श्रीमती प्रीति शांडिल्य शासकीय विद्यालयों में शिक्षिकाएं हैं, जबकि डॉ. अभिनव मिश्रा एक पत्रकार हैं। दुर्ग जिले की सुश्री के. शारदा, जो स्वयं भी दिव्यांग हैं, को हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। धमतरी जिले की शासकीय विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती प्रीति शांडिल्य को राज्यपाल पुरस्कार 2024 के लिए चयनित गया है। वहीं, डॉ. अभिनव मिश्रा को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अंग्रेज़ी पत्रकारिता के क्षेत्र में किए गए उनके कार्यों के लिए सराहा जा चुका है। पुस्तक विमोचन के अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप व श्री शांतनु सिन्हा भी उपस्थित थे।

नन्ही रिकॉर्ड होल्डर बेटियों को मुख्यमंत्री ने दिया आशीर्वाद

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में 6 वर्षीय भव्या और 3 वर्षीय भविषा कोटडिया अपने माता-पिता के साथ मुलाकात की। भव्या को अविष्कारकों के नाम और 3 वर्षीय भविषा को 100 देश की राजधानियों के नाम कंठस्थ है। भव्या के नाम आविष्कारों के नाम सुनकर उनके अविष्कारकों का नाम सबसे तेजी से बताने का वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ एक्सीलेंस दर्ज है, भव्य ने 1 मिनट 35 सेकंड में 50 अविष्कारकों के नाम बताकर यह उपलब्धि हासिल की है। इसी तरह भविषा के नाम 2 मिनट 21 सेकंड में 100 देश की राजधानियों के नाम बताने का रिकॉर्ड वर्ल्डवाइड बुक ऑफ़ रिकाड्र्स में दर्ज है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इन नन्ही बेटियों की इतनी छोटी उम्र में मिली इस बड़ी उपलब्धि के लिए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। इन बच्चियों के पिता श्री गौरव कोटडिया ने मुख्यमंत्री श्री साय को अपनी बेटियों की उपलब्धियां की जानकारी देते हुए उनके प्रमाण पत्र और मेडल दिखाएं। इस अवसर पर बच्चियों की माता श्रीमती नमिता कोटडिया भी उपस्थित थीं।

हमें अपने देश में उत्पादित वस्तुओं पर गर्व करना चाहिए: विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा कबीरधाम में आयोजित स्वदेशी मेला में हुए शामिल उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा कवर्धा के पीजी कालेज मैदान में आयोजित स्वदेशी मेला के दूसरे दिन शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भारत माता की तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्ववलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का विधिवत शुभांरभ किया। उन्होंने इससे पहले स्वदेशी मेला का अवलोकन किया। कबीरधाम जिले के महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों और अन्य प्रांतो से आए स्वदेशी विक्रेता ने उपमुख्यमंत्री शर्मा का स्वागत और अभिनंदन किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मेले के अवलोकन के दौरान स्वदेशी मेला की भव्यता देखकर बहुत अभिभूत हुए। उन्होंने दूसरे राज्यो से आएं स्वदेशी विक्रेता का कवर्धा की इस धरती पर स्वागत और अभिनंदन किया। स्वदेशी मेला के दूसरे दिन अंचल शर्मा और उनकी म्यूजिकल ग्रुप के कार्यक्रम की प्रस्तुति से दर्शक झूम उठे।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का यह एक शानदार अवसर है। हमें अपने देश के उत्पादों पर गर्व करना चाहिए और उन्हें अपनाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी कहा कि ऐसे मेलों का आयोजन हमारे सांस्कृतिक धरोहर को संजोए रखने और स्थानीय उद्यमियों के विकास में समर्थन देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज स्वदेशी का संकल्प है हमे इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन ग्लोबल मार्केट में हमारा प्रोडक्ट होना चाहिए। हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया दोनों कॉन्सेप्ट से देश में कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा है कि हमारे देश में नवाचार और स्टार्टअप बढ़ना चाहिए। स्टार्टअप बढ़ाने के लिए हमारे छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया आई हब छत्तीसगढ़ संस्था का प्रारंभ किया जा रहा है। आई हब गुजरात की तरह है। उन्होंने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी युवा या व्यक्ति के पास टेक्नोलॉजी में नवाचार करने का आइडिया है लेकिन उसके पास संसाधन नहीं है तो उन्हें साधन और संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। जिससे छत्तीसगढ़ के कोनेङ्ककोने से नवाचार उभर कर सामने आए और एक नई दिशा मिले। उन्होंने बताया कि इसके लिए गुजरात से ओएमयू किया गया है। छत्तीसगढ़ में आई हब का प्रारंभ नवंबर से रायपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रारंभ किया जाएगा। ये स्टार्टअप स्वदेशी होगा। जिसे हमें आगे आने वाले सालों में आई हब छत्तीसगढ़ में बनने वाला नवाचार को स्वदेशी मेला में देखने मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि स्वदेशी मेला मतलब हमारे देश की बनी हुई सामग्री से है। एक तरफ इसका आर्थिक पक्ष है जो मजबूत करता है और दूसरा पक्ष भाव का है जो स्वाभिमान को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि सन 1991 का समय याद होगा जब भारत सुपर कम्प्यूटर के लिए भटकता था। रूस और अमेरिका जैसे देश ने सुपर कम्प्यूटर देने ने भी मना कर दिया था, लेकिन उसके बाद हमारे देश की कंपनी सी डेक ने योजना करके दुनिया का बेहतर कंप्यूटर परम बनाया। अब अमेरिका और फ्रांस जैसे देश भारत से सुपर कंप्यूटर खरीदते है। भारत आज समर्थ देश है। विदेशी की बड़ी बड़ी कंपनियों के सीईओ मैनेजिंग डायरेक्टर आज भारत के लोग है। भारत सोने की चिड़िया हुआ करता था क्यों कि भारत में ही सोना, रेशम, मसाले, रत्न जैसे सभी चीजें यहां मिलता था। भारत में अनुसंधान बहुत ही आगे था। नालंदा, तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय यहां रहा है। उन्होंने कहा कि स्वदेश का कोई उत्पाद होता है तो पैसा भारत में ही रहता है और इससे देश आत्म निर्भर होता है। आज देश इतना आगे बढ़ा है जिसमें हम ब्रह्मोस नाम की मिसाइल विदेशों को एक्सपोर्ट कर रहे है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि हमारा देश समृद्ध है और हमें अपने उत्पादों को बढ़ावा देकर उन्हें आगे बढ़ाना चाहिए। यह सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि हमारे संस्कृति और परंपरा को भी आगे बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि पूर्व में कवर्धा का विकास रुक गया था। कुछ दिन पहले ठाकुर देव चौक से नया बस स्टैण्ड का 11 करोड़ का सड़क का भूमिपूजन किया गया और टेंडर हो चुका है। ग्राम घोटिया के पास 300 करोड़ का मेडिकल कॉलेज के लिए टेंडर लगा दिया गया है और बिल्डिंग भी बनना प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने बताया कि आज 5 करोड़ 75 हजार रुपए के लागत कार्य का भूमि पूजन किया गया है। कवर्धा का डेवलपमेंट के लिए कार्ययोजन तैयार कर कार्य किया जा रहा है। कवर्धा के विकास में जन जन को अपनी सहभागिता निभानी है। कवर्धा के विकास के लिए जो विचार है वो साझा कर सकते है। नगर का विकास जनभागीदारी से ही हो यही प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और अपने आसपास के समुदायों को भी इस दिशा में प्रेरित करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950